Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नये भारत की नई सोच

RNI NO. UPHIN/2018/76874

वर्ष: 07 अंक: 322 | शुक्रवार, 27 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

बेरोजगार युवाओं को 5000 रुपये का भत्ता, 25 लाख नौकरी

अखिलेश यादव ने जारी किया सपा का घोषणापत्र

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। पार्टी ने अपने घोषणापत्र को प्रणपत्र नाम दिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी के घोषणापत्र की घोषणा की। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान भी मौजूद रहे, जिन्होंने कार्यक्रम में सबसे पहले संबोधन दिया। अखिलेश यादव ने युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं कीं।

युवाओं के लिए अखिलेश की घोषणा

समाजवादी पार्टी उ0प्र0 के युवाओं एवं युवतियों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करेगी। इसके लिए सभी को-गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का समान अवसर सबको प्रदान किया जायेगा। विशेष तौर पर ढऊअ के छात्र और गरीब युवा को उच्च गुणवत्ता की समान शिक्षा उपलब्ध करायी जायेगी। इसके लिए विशेष राज्य शिक्षा नीति लायी जायेगी। सभी पात्र युवाओं को सुरक्षित नौकरी की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। स्वरोजगार प्रदान करने के उद्देश्य के लिए व्यापक तौर के कौशल विकास केंद्र विकसित किये जायेगें। प्रति वर्ष 5 लाख युवाओं को इन केंद्रों से लाभान्वित किया जायेगा। सभी सरकारी पदों में समयबद्ध तरीके से रिक्तियां भरना पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जायेगा। हम ऐसी भ्रष्टाचार मुक्त प्रणाली विकसित करेंगे कि पेपर लीक की समस्या ही उत्पन्न न होने पाये और इसके लिए संबंधित अधिकारी और मंत्री व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। सरकारी रिक्तियों का वार्षिक कैलेंडर बनाया जायेगा और सभी परीक्षायें समय पर आयोजित की जायेगीं। जिन रिक्तियों के लिए एक परीक्षा देनी होगी उसे 3 माह में प्रक्रिया पूरी की जायेगी और जिनकी एक से ज्यादा परीक्षायें देनी होती है उन्हें 6 माह में पूरा किया जायेगा। परिणाम भी समय पर पूरी पारदर्शिता के साथ घोषित किया जायेगा। परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता को टॉलरेट नहीं किया जायेगा।

हम प्रत्येक ग्रेजुएट छात्र को रोजगार अथवा नौकरी दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए विशेष तौर से नौकरी से जुड़े कौशल विकास की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। हम जब तक ग्रेजुएट को नौकरी अथवा रोजगार नहीं दिला पाते हैं तब तक उनको प्रति माह 5 हजार रू0 का पोषण भत्ता देना सुनिश्चित करेंगे। MSME सेक्टर को विशेष रूप से प्रोत्साहित करके हम इसे विकास का इंजन बनायेंगे जिससे 2032 तक 1 करोड के ऊपर नौकरियां इस क्षेत्र में सुनिश्चित हो पायें। हमारा संकल्प है कि हम 5 सालों में 25 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 2 से 3 करोड़ युवाओं को रोजगार अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध करायेंगे। स्मार्ट किसान सहायक योजना के तहत 5 लाख ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार दिलाया जायेगा जिससे कृषि का आधुनिकीकरण हो सके। एआई के कारण जिन लोगों की नौकरिया चली गयीं है या जाने की संभावना है उन्हें चिन्हित कर उनका कौशल विकास किया जायेगा जिससे उनको रोजगार पाने में मदद मिल सके। हमारा मत अग्निवीर की नीति के विरुद्ध है। जब तक नीति में बदलाव नहीं होता है तब तक अग्निवीर जो स्थायी कमीशन नहीं प्राप्त कर पाते हैं उन्हें राज्य के पुलिस में एवं अन्य विभागों में रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। छात्रों विशेषकर बालिकाओं के लिए तहसील स्तर पर कौशल विकास और कैरियर परामर्श केंद्र बनाये जायेगे और इसके द्वारा हर साल 20 लाख युवाओं का कौशल विकास किया जायेगा। बड़े शहरों में छात्रों एवं छात्राओं के लिए आवासीय छात्रावास बनाये जायेगें। 13 शहरों के युवकों को रोजगार के लिए शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम लाया जायेगा।

घोषणापत्र की मुख्य बातें

- गरीब और पीडीए समाज के युवाओं के लिए उच्च शिक्षा नीति लाई जाएगी, ताकि उन्हें अच्छी शिक्षा मिले।
- बेरोजगार युवाओं को 5000 रुपये का भत्ता
- 5 साल में 25 लाख युवाओं को नौकरी
- भ्रष्टाचार मुक्त प्रणाली – पेपर लीक न हो पाए
- सरकारी भर्तियां का वार्षिक कैलेंडर बनाया जाएगा
- परिणाम समय पर पार्दशिता के साथ घोषित किया जाएगा
- अनियमितिता को टॉलरेट नहीं किया जाएगा
- आवासीय छात्रावास बनाए जाएंगे
- शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम लाया जाएगा
- 26 हजार प्राइमरी स्कूल खुलेंगे
- 12वीं पास युवाओं के लिए लैपटॉप योजना
- किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा
- गन्ना किसान का भुगतान 24 घंटे में करना सुनिश्चित करेंगे
- जघन्य अपराध के लिए जीरो टॉलरेंस
- प्रदेश में समाजवादी कैंटीन – पांच रुपये में भरपेट खाना
- बुजुर्ग महिलाओं और कारीगरों को 40 हजार सालाना पेंशन
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्ध आश्रम और क्लब
- राज्य शिक्षा नीति लाएगी सपा सरकार
- जातिगत जनगणना शुरू की जाएगी

अखिलेश का सामाजिक न्याय का वादा

समाजवादी पार्टी का नारा ढऊअ के विकास का है जिसका मतलब सभी पीडित, दुखी और अपमानित व्यक्तियों का सम्मान देंगे और उनका सामाजिक और आर्थिक विकास करेगें। हमारी सरकार जातिगत जनगणना प्रदेश में शुरू करेगी जिससे कि अलग-अलग जातियों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति की जानकारी हो पाये और उसके अनुरूप उनके उत्थान की योजना विकसित की जा सकें। समाजवादी पार्टी की सरकार दलितों, पिछडों, अल्पसंख्यक, महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ जघन्य अपराधों के प्रति जीरो टालरेंस की नीति का पालन करेगी किसी का भी अपमान और उत्पीड़न समाज में नहीं होने देगें।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 जीतने पर मुस्लिम और पिछड़े वर्ग से बनेंगे डिप्टी सीएम, हर महिला को 25 हजार रुपये, चंद्रशेखर-ओवैसी का वादा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। संविधान दिवस के मौके पर, आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने गुरुवार को कहा कि अगर 2027 के विधानसभा चुनावों के बाद 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' उत्तर प्रदेश में अगली सरकार बनाता है, तो मुस्लिम और पिछड़े समुदायों के नेता उप-मुख्यमंत्री बनेंगे। चंद्रशेखर आजाद इस मोर्चे की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। लखनऊ में गठबंधन की एक रैली को संबोधित करते हुए, आजाद ने हर महिला के बैंक खाते में सीधे 25,000 रुपये भेजने का वादा किया। उन्होंने कहा कि यह राशि एक विरोधी पार्टी द्वारा दिए जा सकने वाले 20,000 रुपये के वादे से अधिक है। उन्होंने बताया कि इसके लिए उस लगभग 7,000 करोड़ रुपये का इस्तेमाल किया जाएगा, जो उनके अनुसार राज्य सरकार अपने प्रचार-प्रसार पर खर्च करती है। चंद्रशेखर आजाद और अक्टक्ट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 12 नवंबर को अपने गठबंधन की घोषणा की और आजाद को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। वे सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा शासन लाएं, और 'अब्दुल' उपमुख्यमंत्री के रूप में चंद्रशेखर आजाद के बगल में बैठेगा और वंचितों की ताकत बनेगा। अब्दुल उपमुख्यमंत्री बनेगा; वह अब किसी के लिए कालीन नहीं बिछाएगा, बल्कि चंद्रशेखर आजाद के साथ बैठेगा। सत्ता उसके हाथों में होगी; वह आपकी समस्याओं का समाधान करेगा, और दूसरों के लिए फर्श पर मैट नहीं बिछाएगा।

'असद भाई' (असदुद्दीन ओवैसी) भी जानना चाहते थे कि अब्दुल क्या करेगा। अब्दुल के साथ-साथ, हम सबसे पिछड़े समुदायों के एक व्यक्ति को भी उपमुख्यमंत्री बनाएंगे, मेरी बात याद रखना।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर वे 20,000 रुपये देने का वादा करते हैं, तो मैं घोषणा करता हूं कि हम हर महिला को 25,000 रुपये देंगे! मीडिया हमसे पूछता है: 'पैसा कहां से आएगा?' कर्ज सरकार ने लिया है, हमने नहीं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री अपने प्रचार-प्रसार पर जो 7,000 करोड़ रुपये खर्च करते हैं, हम उस पैसे को सीधे महिलाओं के हाथों में पहुंचाएंगे।' आजाद ने मौजूदा इखढ सरकार पर राज्य के गरीबों और युवाओं को निराश करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वढ में लगभग पांच करोड़ लोग अभी भी गरीब हैं, पिछले दस वर्षों में 25,000 से अधिक स्कूल बंद हो गए हैं, और कोई औद्योगिक नीति नहीं लाई गई, जिसके कारण युवाओं को काम की तलाश में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना और पिछड़े वर्गों के लिए वित्त एवं विकास निगम को बंद कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में विकास की स्थिति ऐसी है कि आज भी पांच करोड़ लोग गरीब हैं। उन्हें न तो अच्छी शिक्षा मिलती है, न ही पर्याप्त भोजन या बुनियादी सुविधाएं। पिछले दस वर्षों में, यहां 25,000 से अधिक स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

इन दस सालों में कोई औद्योगिक नीति नहीं लाई गई। आज, लोग और हमारे युवा काम की तलाश में दूसरे राज्यों में जाने को मजबूर हैं, और चुनाव के समय वे वोट डालने के लिए अपने घर भी नहीं लौट पाते। जो लोग खुद को पिछड़े वर्गों का हितैषी बताते हैं, उनसे पूछना चाहता हूं: आपकी सरकार के दौरान पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए 'पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप' योजना बंद कर दी गई थी... पिछली सरकार ने पिछड़े वर्गों के लिए एक 'वित्त एवं विकास निगम' बनाया था, ताकि अगर उन्हें सरकारी नौकरी न मिले, तो वे लोन लेकर अपना खुद का काम शुरू कर सकें; आपने उसे भी बंद कर दिया। आप किस मुंह से पिछड़े वर्गों की बात करते हैं? आपको अपनी सामंती मानसिकता पर शर्म आनी चाहिए,' उन्होंने कहा।

संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने कहा, महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण को कोई नहीं रोक सकता

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



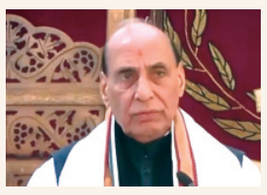
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संविधान निर्माण में महिलाओं के योगदान का जिक्र करते हुए विधायी निकायों में महिलाओं की अधिक भागीदारी की वकालत की। साथ ही, उन्होंने विपक्ष पर महिलाओं के आरक्षण से जुड़े कानूनों को रोकने का आरोप लगाया। संविधान दिवस के अवसर पर अपने संदेश में, पीएम मोदी ने कहा कि देश की संवैधानिक यात्रा उन महिलाओं को याद किए बिना अधूरी रहेगी, जिन्होंने इसे आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस साल की शुरूआत में जो हुआ—जब संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने वाला कानून पास नहीं हो सका—वह शर्म की बात है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान की यात्रा उन असाधारण महिलाओं को पहचाने बिना अधूरी रहेगी, जिन्होंने इसे आकार देने में मदद की। लेकिन इस साल की शुरूआत में जो कुछ हुआ, वह हमें शर्मिंदा करने वाला है। विपक्ष पर कानून को पारित होने से रोकने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष ने एक बार फिर संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी अवहेलना दिखाई है। उन्होंने कहा कि मैं भारत की 'नारी शक्ति' को भरोसा दिलाता हूं कि कोई भी ताकत हमें उन्हें न्याय दिलाने से नहीं रोक सकती।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी 17 अप्रैल को लोकसभा में 'संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026' के गिर जाने की पृष्ठभूमि में आई है। इस विधेयक का उद्देश्य 2029 के आम चुनावों से पहले लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तेजी से लागू करना था। इस विधेयक के पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े। हालाँकि, यह संविधान संशोधन के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा। 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह पहली बार है, जब सरकार का कोई संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित नहीं हो सका।

यह प्रस्तावित विधेयक एक बड़ी कवायद का हिस्सा था, जिसमें लोकसभा की सदस्य संख्या को 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करना और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करना शामिल था। सरकार का तर्क था कि महिलाओं के आरक्षण को लागू करने के लिए ये बदलाव जरूरी हैं, जबकि विपक्ष ने इस कोटे को परिसीमन के साथ जोड़ने पर आपत्ति जताई।

भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के साथ मौजूदा खतरों से निपटने की तैयारी जरूरी : राजनाथ



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों और युद्ध के नए तरीकों को देखते हुए भारत को भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का पहले से आकलन करना होगा और साथ ही मौजूदा खतरों से निपटने के लिए भी तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा है कि अब पारंपरिक सैन्य खतरों के साथ साइबर हमले, दुष्प्रचार, आर्थिक दबाव और आपूर्ति व्यवस्था में रुकावट जैसे खतरे भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में देश की सुरक्षा के लिए दूरगामी सोच अपनाना जरूरी है। श्री सिंह गुरुवार को यहां राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के 66वें कोर्स के दीक्षांत और समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुनिया में शक्ति संतुलन बदल रहा है, नए देश रणनीतिक रूप से प्रभावशाली बन रहे हैं और पुराने गठबंधनों में भी बदलाव हो रहा है।

लोकसभा की बैठक 30 नवम्बर और राज्यसभा की दो दिसम्बर को

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बीच सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा की बैठक क्रमशः 30 नवम्बर और दो दिसम्बर से पुनः बुलाने का अनुरोध किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि जरूरी सरकार कामकाज निपटाने के लिए सदन की बैठक 30 नवम्बर को पुनः आहूत की जाए। इसी तरह राज्यसभा के सभापति से सदन की बैठक दो दिसम्बर को बुलाने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों की बैठकें कामकाज को देखते हुए तीन दिसम्बर तक चल सकती हैं।

श्री रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, 'सरकार ने लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से जरूरी सरकारी कामकाज निपटाने के लिए लोकसभा को 30 नवम्बर से और राज्यसभा को दो दिसम्बर से पुनः आहुत करने का अनुरोध किया है। कामकाज को निपटाने के आधार पर दोनों सदनों की बैठक तीन दिसम्बर तक चल सकती है।' संसदीय कार्य मंत्री ने इस बात का कोई जिक्र नहीं किया है कि इन बैठकों में क्या जरूरी कामकाज निपटाया जायेगा लेकिन ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार इन बैठकों के दौरान परिसीमन विधेयक तथा महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की कोशिश कर सकती है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हुआ था और 13 अगस्त को दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई थी लेकिन अभी तक औपचारिक रूप से सत्रावसान नहीं किया गया था। इस तरह दोनों सदनों की ये बैठकें मानसून सत्र का ही विस्तार होंगी। आमतौर पर मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के कुछ दिन बाद सत्रावसान कर दिया जाता है और नवम्बर के अंतिम सप्ताह में शीतकालीन सत्र बुलाया जाता है। सत्रावसान करने के बाद नए सत्र के लिए राष्ट्रपति से अनुमति ली जाती है लेकिन इस बार मानूसन सत्र का सत्रावसान न किए जाने की वजह से राष्ट्रपति की अनुमति की जरूरत नहीं है। विपक्ष मानसून सत्र का सत्रावसान न किए जाने को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल उठाता रहा है और इसे संसदीय परंपराओं का उल्लंघन करार देता रहा है। विपक्षी दलों विशेष रूप से कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी का संसदीय लोकतंत्र में भरोसा नहीं है। विपक्ष लगातार यह भी कहता रहा है कि सरकार परिसीमन विधेयक तथा महिला आरक्षण संबंधी विधेयक को जोड़ तोड़ से पारित कराने के लिए अचानक संसद की बैठक बुलाना चाहती है इसीलिए मानसून सत्र का सत्रावसान नहीं किया जा रहा है।

संविधान का गला घोंटने वाले आज लाल किताब लेकर जनता को कर रहे गुमराह: सीएम योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने सत्ता में रहते हुए संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का काम किया, वे आज लाल किताब लेकर जनता को गुमराह करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता किसी व्यक्ति, परिवार या जाति विशेष की जागीर नहीं है। देश का प्रत्येक नागरिक ही संविधान और संप्रभुता का वास्तविक संरक्षक है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को लोक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत प्रदेश के 3,955 प्रतिमा स्थलों के सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत अन्य अतिथियों के साथ संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ किया।

योगी ने कहा कि भारतीय संविधान देश के 145 करोड़ नागरिकों का गौरव और मार्गदर्शक है। संविधान की प्रस्तावना के पहले शब्द 'हम भारत के लोग' देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना को व्यक्त करते हैं। इसका अर्थ है कि भारत की संप्रभुता का आधार कोई व्यक्ति या सत्ता नहीं, बल्कि देश की जनता है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच संतुलन बनाए रखना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के अनेक देशों में जाति, रंग और लिंग के आधार पर लोगों को लंबे समय तक मतदान के अधिकार से वंचित रखा गया, लेकिन भारत ने संविधान लागू होने के पहले दिन से ही प्रत्येक वयस्क नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मताधिकार दिया। यह भारतीय लोकतंत्र की महत्वपूर्ण विशेषता है।

उन्होने बताया कि प्रदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर और सामाजिक न्याय के अन्य महापुरुषों से संबंधित कुल 4,030 स्थल चिह्नित किए गए हैं। इनमें 3,955 स्थलों पर विकास और सौंदर्यीकरण का काम शुरू कराया जा रहा है। इन स्थानों पर आवश्यकता के अनुसार छतरी, चहारदीवारी, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा के अन्य इंतजाम किए जाएंगे। साथ ही परिसर में हरियाली और फुलवारी विकसित की जाएगी।

योगी ने कहा कि बाबा साहेब के साथ संत रविदास, संत कबीरदास और महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों का योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इन महापुरुषों से जुड़े स्थलों का संरक्षण और विकास करना उनके विचारों तथा सामाजिक न्याय की भावना के प्रति सम्मान प्रकट करना है। सरकार का प्रयास है कि इन स्थानों को बेहतर सुविधाओं से युक्त किया जाए, जिससे आने वाली पीढ़ियां भी उनके योगदान से परिचित हो सकें।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पार्टी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को उचित सम्मान नहीं दिया।

संपादक की कलम

बांग्लादेश में फिर सत्ता संघर्ष

कहावत है जैसी करनी वैसी भरनी, जो बोओगे वही काटोगे। बांग्लादेश की वर्तमान राजनीति इस कहावत का जीवंत उदाहरण बन गई है। जिस देश ने अगस्त दो हजार चौबीस में छात्र आंदोलन से शेख हसीना के पंद्रह साल के शासन को उखाड़ फेंका था, वही देश आज फिर उसी हिंसा, आगजनी और बदले की राजनीति के भंवर में फंस गया है। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, जो हसीना के बाद अंतरिम सरकार के मुखिया बने थे, आज खुद उसी जनता के गुस्से का शिकार हो रहे हैं जिसके नाम पर वे सत्ता में आए थे। पिछले दस दिनों से बांग्लादेश में जो हो रहा है, उसने पूरे दक्षिण एशिया को चिंता में डाल दिया है। उन्नीस नवंबर दो हजार छब्बीस को प्रदर्शनकारियों ने चटगांव में मोहम्मद यूनुस के पुश्तैनी घर 'निरिबिली' में आग लगा दी। यह घर पंचलाइश इलाके में है और घटना रात में हुई, सौभाग्य से ऊपर की मंजिल पर रहने वाले उनके परिवार के सदस्य सुरक्षित हैं। पुलिस के अनुसार किसी ने निचली खाली मंजिल में ज्वलनशील पदार्थ फेंक कर आग लगाई। इसी के साथ यूनुस द्वारा स्थापित ग्रामीण बैंक की अड़तीस से अधिक शाखाओं और कार्यालयों पर दस नवंबर से आगजनी और तोड़फोड़ की गई है, जिसमें अकेले एक रात में चौदह शाखाओं पर हमला हुआ। ग्रामीण बैंक वही संस्था है जिसने यूनुस को नोबेल दिलाया था और जिसे गरीबों का बैंक कहा जाता था। आज वही बैंक फूंक दिया जा रहा है।इस हिंसा के पीछे सीधा कारण शेख हसीना की वापसी की घोषणा है। हसीना, जो अगस्त दो हजार चौबीस से भारत में निर्वासन में हैं और जिन्हें पिछले साल एक स्थानीय अदालत ने छात्र आंदोलन पर गोली चलाने के आदेश के लिए मौत की सजा सुनाई है, उन्होंने घोषणा की है कि वे सोलह दिसंबर को, जो बांग्लादेश का विजय दिवस है, देश लौटेंगी और अदालत के सामने आत्मसमर्पण करेंगी। नौ नवंबर को उनके लंदन स्थित वकीलों ने दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग से नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगा, क्योंकि अंतरिम सरकार ने उनके पुराने दस्तावेज रद्द कर दिए थे। वर्तमान प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार ने यह अनुरोध ठुकरा दिया और कहा कि हसीना एक सजायाफ्ता अपराधी हैं, वे सामान्य रूप से नहीं लौट सकतीं, उन्हें भारत से प्रत्यर्पण संधि के तहत लाया जाएगा। इसी फैसले के खिलाफ प्रतिबंधित आवामी लीग ने एक सप्ताह का आंदोलन और उन्नीस नवंबर को देशव्यापी लॉकडाउन का आह्वान किया। पिछले दस दिनों में अट्ठाईस से अधिक जिलों में सत्तर से अधिक बम धमाके और चौहत्तर आगजनी की घटनाएं दर्ज की गईं। पुलिस के अनुसार दो सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता मारे गए हैं और गोपालगंज, जो हसीना का गृह जिला है, में उनके समर्थकों ने बाजार, पुलिस थाने और दो सांसदों के घरों में आग लगा दी। बांग्लादेश की त्रासदी यह है कि हर सत्ता परिवर्तन प्रतिशोध से शुरू होता है। दो हजार चौबीस में जब छात्र आंदोलन हुआ था तो आवामी लीग के कार्यकर्ताओं के घर जलाए गए थे, उनके नेताओं को जेल में डाला गया था। अंतरिम सरकार ने आवामी लीग को प्रतिबंधित कर दिया। तब इसे क्रांति का न्याय कहा गया। आज जब तारिक रहमान की सरकार है, जो फरवरी दो हजार छब्बीस के चुनाव में दो सौ नौ सीटें जीत कर आई है, वही तरीका आवामी लीग अपना रही है। वह भी बसें जला रही है, रेल की पटरी उखाड़ रही है, बम फेंक रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इसे छोटा विद्रोह तक कहा है। यह सिद्ध करता है कि हिंसा से हिंसा ही पैदा होती है। मोहम्मद यूनुस का मामला सबसे अधिक प्रतीकात्मक है। वे एक अर्थशास्त्री थे, जिन्हें राजनीति से दूर रखा जाता था। शेख हसीना के समय उनके खिलाफ कई मुकदमे चलाए गए थे और उन्हें अपमानित किया गया था। जब वे अंतरिम प्रमुख बने तो लोगों को लगा कि अब नैतिक राजनीति आएगी।



ललित शर्मा
संपादक

बल्ले से निकला वैभव, क्रिकेट के आकाश में नया सूर्य



ललित गर्ग
लेखक



क्रिकेट के इतिहास में कुछ दिन केवल कैलेंडर की तारीख बनकर नहीं आते, वे इतिहास के पन्नों पर अमिट हस्ताक्षर कर जाते हैं। मंगलवार का दिन भारतीय क्रिकेट के लिए ऐसा ही एक मंगलमय दिवस बनकर सामने आया, जब महज पंद्रह वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने दोहा में अपने बल्ले से ऐसा सूर्य उदय किया, जिसकी रोशनी ने पूरी क्रिकेट दुनिया को चकाचौंध कर दिया। जिस उम्र में किशोर सपनों की उड़ान भरना शुरू करते हैं, उस उम्र में वैभव ने क्रिकेट के आकाश में अपने नाम का ऐसा ध्वज फहरा दिया, जिसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। वैभव ने केवल 52 गेंदों में दोहरा शतक जड़कर क्रिकेट जगत को स्तब्ध कर दिया। 28 गेंदों में शतक, महज 40 गेंदों में 150 रन और एक पारी में 28 छक्के-ये आंकड़े किसी वीडियो गेम की काल्पनिक स्कोरशीट जैसे लगते हैं, लेकिन वैभव ने इन्हें हकीकत की पिच पर उतार दिया। सूर्यवंशी की इस आतिशी पारी से दुनिया में खलबली मच गयी है, देश और दुनिया में बड़ी-बड़ी खबरों को दबा दिया है इस खबर ने। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हर जबान पर है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? 204 रनों की उनकी तूफानी पारी में 168 रन केवल छक्कों से आए। बल्ले से निकली हर गेंद मानो सीमा रेखा के पार जाकर एक नया इतिहास लिख रही थी। यह केवल रन बनाने की पारी नहीं थी, बल्कि क्रिकेट की सीमाओं को चुनौती देने वाली एक अद्भुत बल्लेबाजी थी। भारतीय क्रिकेट ने समय-समय पर ऐसी प्रतिभाओं को जन्म दिया है, जिन्होंने दुनिया को भारतीय क्रिकेट का लोहा मनवाया। सुनील गावस्कर की तकनीक, कपिल देव का साहस, सचिन तेंदुलकर की विलक्षणता, सौरव गांगुली का आत्मविश्वास, महेंद्र सिंह धोनी की निर्णायक क्षमता और विराट कोहली की आक्रामक निरंतरता-इन सबने भारतीय क्रिकेट को गौरव दिया। लेकिन वैभव सूर्यवंशी की कहानी इसलिए अलग है क्योंकि यह कहानी अभी किशोरावस्था में ही असाधारण उपलब्धियों का शंखनाद कर रही है। वैभव का बल्ला इस समय केवल गेंद को नहीं पीट रहा, बल्कि क्रिकेट की पुरानी धारणाओं को भी चुनौती दे रहा है और अपने कीर्तिमान से नया इतिहास बना रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास है, निर्भीकता है, आक्रामकता है और सबसे बढ़कर एक स्वाभाविक लय है। वे गेंदबाज के नाम, प्रतिष्ठा या अनुभव से भयभीत होते दिखाई नहीं देते। उनकी बल्लेबाजी देखकर लगता है कि गेंद उनके लिए चुनौती नहीं, अवसर है और सीमा रेखा उनके लिए कोई दीवार नहीं, बल्कि एक आमंत्रण है। वैभव सूर्यवंशी की उपलब्धियों की फेहरिस्त भी कम चमत्कारी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में दस मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन और आईपीएल की 23 पारियों में 228 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 1028 रन उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण हैं। आईपीएल के 2026 सत्र में 72 छक्के लगाकर उन्होंने एक सीजन में सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा और ऑरेंज कैप हासिल की। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धियां निश्चित रूप से सामान्य प्रतिभा की निशानी नहीं हैं। दोहा की इस पारी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि वैभव को भारतीय वनडे और टी-20 टीम में अवसर कब मिलेगा। यह स्वाभाविक मांग है कि ऐसी विलक्षण प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर आजमाया जाए, लेकिन इसके साथ धैर्य और विवेक भी जरूरी है। प्रतिभा को अवसर चाहिए, पर अवसर के साथ संरक्षण, मार्गदर्शन और मानसिक तैयारी भी उतनी ही आवश्यक है। क्रिकेट केवल बल्ले की ताकत का खेल नहीं, बल्कि परिस्थितियों, दबाव, रणनीति और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है। सोलह वर्ष की उम्र में सचिन तेंदुलकर को पाकिस्तान के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारने का उदाहरण आज भी प्रेरणा देता है। सचिन ने उस अवसर को इतिहास में बदल दिया। वैभव के सामने भी संभावनाओं का विराट आकाश है। उन्हें अवसर अवश्य मिलने चाहिए, लेकिन उनके क्रिकेटीय विकास की गति और दिशा को समझते हुए। भारतीय क्रिकेट प्रशासन के लिए यह एक ऐसी प्रतिभा है, जिसे जल्दबाजी में दबाव के हवाले करने के बजाय सही ढंग से तराशने की जरूरत है। आज दुनिया के गेंदबाज भी वैभव की बल्लेबाजी को ध्यान से पढ़ रहे होंगे। उनकी कमजोरियां तलाशने, उनकी हिटिंग पावर को रोकने और उनके आक्रामक तेवरों पर अंकुश लगाने की रणनीतियां बन रही होंगी। यही चुनौती वैभव के लिए अगला पड़ाव है। उन्हें अपनी तकनीक में विविधता, शॉट चयन में परिपक्वता और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करने की क्षमता विकसित करनी होगी। क्योंकि क्रिकेट में असली महानता केवल रिकॉर्ड बनाने में नहीं, बल्कि रिकॉर्ड बनने के बाद भी निरंतर ऊंचाई पर टिके रहने में है। साथ ही कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें, उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। हर दिन वे अपने खेल के लिये जागरूक रहे एवं आने वाली चुनौतियां के लिये स्वयं को सक्षम बनाये। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे। उनकी हिटिंग पावर को रोकने की व्यूह रचना की जा रही होगी। फिर भी मंगलवार की वह पारी अपने आप में एक युगांतकारी चमत्कृत करने वाली घटना है। जिस उम्र में अधिकांश खिलाड़ी बड़े मंच का सपना देखते हैं, उस उम्र में वैभव ने मंच को ही अपने नाम कर लिया। उनके बल्ले से निकले छक्के केवल गेंदों को सीमा के पार नहीं ले गए, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी के सपनों को भी आसमान दे दिया। सूर्यवंशी का यह सूर्य अभी अस्त होने के लिए नहीं, निरंतर उदित होने के लिए आया है। उनके बल्ले से निकलती रनों की रोशनी भारतीय क्रिकेट के भविष्य को आलोकित करने की क्षमता रखती है। निस्संदेह, यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लिखा गया एक स्वर्णिम पृष्ठ है। आज पूरे क्रिकेट जगत को इस किशोर प्रतिभा को सलाम करना चाहिए और कहना चाहिए-वैभव, तुम्हारे बल्ले का यह सूर्य जितना चमक रहा है, उतनी ही उज्ज्वल तुम्हारी क्रिकेट यात्रा की संभावनाएं हैं।

फूड कंपनियों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, हर पैकेट पर लाल चेतावनी से खुलेगी पोल!



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल और आधुनिक उपभोक्तावादी युग में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है।आलू केचिप्स,चॉकलेट केक बिस्किट,इंस्टेंट नूडल्स, कोल्ड ड्रिंक्स से लेकर आटा चावल गेहूं,रवा,मैदा और खाद्य तेल तक लगभग हर वस्तु आकर्षक पैकेजिंग में उपलब्ध है। आम उपभोक्ता के मन में एक धारणा बन गई है कि खुला खाद्य पदार्थ अशुद्ध अथवा मिलावटी हो सकता है, जबकि कंपनी की सीलबंद पैकिंग वाला उत्पाद गुणवत्ता और सुरक्षा की गारंटी देता है।लेकिन यह धारणा पूरी तरह सही नहीं है।पैकेटबंद होना अपने आप में सुरक्षित,पौष्टिक अथवा मिलावट मुक्त होने का प्रमाण नहीं है।पैकेजिंग उत्पाद को बाहरीसंदूषण से बचाने में मदद कर सकती है,लेकिन उसके अंदर मौजूद चीनी, नमक, संतृप्त वसा और अन्य पोषक तत्वों की अधिकता को समाप्त नहीं करती।यही वह बुनियादी सवाल है,जिसने अब भारत में खाद्य सुरक्षा उपभोक्ता अधिकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य की बहस को राष्ट्रीय ही नहीं,अंतरराष्ट्रीय महत्व प्रदान कर दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि 26 नवंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट की माननीय दो जजों की की पीठ ने 3 एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी बनाम भारत संघ मामले में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। यह जनहित याचिका पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर उपभोक्ताओं को आसानी से समझ आने वाली पोषण संबंधी चेतावनी देने से संबंधित है।अदालत ने केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को फ्रंट ऑफ पैक न्यूट्रिशन लेबलिंग अर्थात पैकेट के सामने पोषण चेतावनी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।पैकेटबंद खाद्य पदार्थों के सामने की तरफ हाई शुगर, हाई फैट और हाई सॉल्ट के लिए अलग-अलग लाल चेतावनी लेबल लगाने के नियम तैयार करने का निर्देश दिया है।हर पोषक तत्व (शुगर,फैट,नमक) के लिए अलग लाल हेक्सागन (षटकोण) निशान होगा।तीनों की एक संयुक्त चेतावनी मान्य नहीं होगी।प्रत्येक हेक्सागन पैकेट के मुख्य डिस्प्ले पैनल का 4 से 5 प्रतिशत हिस्सा घेरेगा, जिस पर स्पष्ट फॉन्ट और संबंधित पोषक तत्व का चित्र होगा। केवल एडेड शुगर या फैट नहीं, बल्कि टोटल शुगर और सैचुरेटेड फैट की कुल मात्रा तथा वैज्ञानिक मानकों के आधार पर सीमा तय करनी होगी। कोर्ट ने नियम बनाने और आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं और मामले की अगली सुनवाई 10 सप्ताह बाद तय की है। साथियों बात अगर हम पैकेटबंद खाद्य पदार्थों कीकानूनी जवाबदेही किसकी? निमार्ता नहीं बच सकता,विक्रेता भी नहीं! इसको समझने की करेंतो,इस पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण कानूनी पहलू खाद्य पदार्थों की जिम्मेदारी है। अक्सर देखने में आता है कि निमार्ता अपनी जिम्मेदारी होलसेलर पर, होलसेलर रिटेलर पर और रिटेलर निमार्ता पर डालने का प्रयास करता है। लेकिन भारतीय कानून में ऐसा करके कोई भी खाद्य कारोबारी स्वतः जवाबदेही से मुक्त नहीं हो सकता। इसके लिए संसद ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 बनाया है।इसकी धारा 23 पैकेजिंग एवं लेबलिंग,धारा 24 भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार व्यवहार,धारा 26 खाद्य कारोबार संचालक की जिम्मेदारी तथा धारा 27 निमार्ता,पैकर, थोक विक्रेता वितरक और खुदरा विक्रेता की अलग- अलग जवाबदेही निर्धारित करती है।धारा 27 (1) के अनुसार खाद्य पदार्थ निर्धारित कानून, नियम और विनियमों के अनुरूप नहीं है तो निमार्ता अथवा पैकर जिम्मेदार होगा।धारा 27(2) के तहत एक्सपायरी के बाद आपूर्ति, निमार्ता के सुरक्षा निदेशों का उल्लंघन करके भंडारण, असुरक्षित अथवा गलत लेबल वाले उत्पाद की आपूर्ति और निमार्ता की पहचान नहीं बता पाने जैसी परिस्थितियों में होलसेलर एवं वितरक जिम्मेदार होंगे। इसी प्रकार धारा 27(3) के तहत एक्सपायरी के बाद बिक्री, अस्वच्छ परिस्थितियों में रखरखाव, गलत लेबलिंग निमार्ता या वितरक की पहचान नहीं होना अथवा असुरक्षित होने की जानकारी के बावजूद बिक्री करने पर रिटेलर भी जवाबदेह होगा। अर्थात जवाबदेही उत्पाद की प्रकृति और संबंधित कारोबारी की भूमिका के आधार पर तय होगी, केवल पैकेट पर कंपनी का नाम देखकर नहीं। साथियों, धारा 28 असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बाजार से वापसी अर्थात फूड रिकॉल का प्रावधान करती है।धारा 31 लाइसेंस और पंजीकरण, धारा 32 सुधारात्मकनोटिस धारा 38 खाद्य सुरक्षा अधिकारी की शक्तियां तथा धारा 40 उपभोक्ता द्वारा खाद्य पदार्थ का विश्लेषण करवाने का अधिकार प्रदान करती है। धारा 50 में निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप खाद्य पदार्थ न बेचने पर पांच लाख रुपये तक, धारा 51 में घटिया खाद्य पर पांच लाख रुपये तक,धारा 52 में गलत ब्रांडिंग पर तीन लाख रुपये तक और धारा 53 में भ्रामक विज्ञापन पर दस लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है। असुरक्षित खाद्य के मामलों में धारा 59 के अंतर्गत परिस्थितियों और स्वास्थ्य को हुए नुकसान के अनुसार छह महीने से लेकर आजीवन कारावास तक का दंड तथा जुमार्ने का प्रावधान है। धारा 63 बिना आवश्यक लाइसेंस कारोबार करने पर छह महीने तक कारावास और पांच लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान करती है। धारा 65 उपभोक्ता को चोट या मृत्यु होने पर मुआवजे तथा धारा 66 कंपनी के अपराधों की जवाबदेही से संबंधित है। इसलिए यह कहना गलत होगा कि पैकेटबंद उत्पाद में गड़बड़ी मिलने पर केवल निमार्ता ही जिम्मेदार होगा अथवा केवल दुकानदार ही दोषी होगा। कानून प्रत्येक स्तर पर उसकी अपनी गलती, जानकारी,नियंत्रण और वैधानिक कर्तव्य के अनुसार सटीकता से जवाबदेही निर्धारित करता है। साथियों बात अगर हम तीन अलग-अलग लाल षटकोणः एक चेतावनी नहीं,हर पोषक तत्व की अलग पहचान! को समझने की करें तो,सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निर्धारित वैज्ञानिक सीमा से अधिक चीनी, संतृप्त वसा अथवा नमक होने पर प्रत्येक के लिए अलग-अलग लाल रंग का छह कोनों वाला षटकोण अर्थात हेक्सागन चेतावनी चिह्न होना चाहिए। इनमें संबंधित चित्र और स्पष्ट शब्द होंगे हाई शुगर, हाई फैट और हाई सॉल्ट। यदि किसी उत्पाद में तीनों तत्व अधिक हैं तो तीन अलग-अलग चेतावनी चिह्न लगाने होंगे। एक संयुक्त चिह्न पर्याप्त नहीं होगा।प्रत्येक चेतावनी का आकार पैकेट के मुख्य डिस्प्ले पैनल के लगभग 4 से 5 प्रतिशत हिस्से के अनुरूप रखने का निर्देश दिया गया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ता की नजर सीधे उस पोषक तत्व पर पहुंचाना है, जिसकी अधिकता स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय हो सकती है। यह कनाडा जैसे देशों में अपनाई गई चेतावनी आधारित लेबलिंग व्यवस्था से प्रेरित है। साथियों बात अगर हम चीनी और वसा की सीमा तय करने में वैज्ञानिक कसौटी क्या होगी? इसको समझने की करें तो, अदालत ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंतर स्पष्ट किया है केवल एडेड शुगर अर्थात ऊपर से मिलाई गई चीनी को आधार नहीं बनाया जाएगा, बल्कि टोटल शुगर अर्थात उत्पाद में मौजूद कुल चीनी पर विचार करना होगा। इसी प्रकार केवल एडेड फैट के बजाय सैचुरेटेड फैट की कुल मात्रा को आधार बनाया जाएगा। नमक के लिए भी वैज्ञानिक रूप से निर्धारित सोडियम संबंधी सीमा का ध्यान रखना होगा। अदालत ने डायटरी गाइडलाइंस फॉर इंडियंस,2024 की तालिका 15.1 को बिना विचार किए ज्यों का त्यों लागू करने के बजाय नए वैज्ञानिक मानदंड निर्धारित करने को कहा है। सीमा बहुत कम हुई तो लगभग हर पैकेट पर चेतावनी लगेगी और उपभोक्ता उसे सामान्य समझकर अनदेखा करने लगेंगे। सीमा बहुत अधिक हुई तो वास्तव में अधिक चीनी, नमक और वसा वाले उत्पाद चेतावनी से बच जाएंगे। इसलिए एफएसएसएआई को संतुलित वैज्ञानिक मानक अपनाने होंगे।

सर्दियों की है आहट

मोनिका डागा

कविता



गुलाबी सर्दियों की है आहट,
रवि की प्यारी लगे मुस्कुराहट,
मोती की लड़ियों की चटक–मटक,
परिंदों की लुभावनी सी चहक ।
पत्तों पर टिमटिमाते तुहिन कण,
खिला हुआ शांत मन का प्रागंण,
है गुणकारी सर्दियों की धूप,
सूरज की मद्धिम किरणें अनूप ।

नमी भरा मौसम शुरू हुई गलन,
ठंडी–ठंडी हवा संग ठिठुरन,
सुबह की सैर ध्यान मौन पल का,
जीवन संजीवनी सुखद कल का ।
गर्म व्यंजनों के स्वाद निराले,
मेवे काजू–बादाम मसालें,
गर्म पेय की चाहत अधिक बढ़ी,
पतीली चाय की अहर्निश चढ़ी ।

लड्डू मेथी गोंद सोंठ तिल के ,
गजक रेवड़ी खाओ हॉ जमके,
जाड़े की 'आनंद' जगमगाहट,
जादुई अँगीठी की गर्माहट ।
हाथ पैर छाती कान ढके हो,
इंतजाम बचाव के पक्के हो,
गुनगुने तेल की मालिश कसरत,
हष्ट–पुष्ट तन–मन की हो हसरत ।

संविधान की प्रस्तावना से जनपीड़ा तक फैला एक जीवन



प्रो. आरके जैन
लेखक



किसी विचारवान व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान यह नहीं होती कि उसने अपने जीवन में कितने पद हासिल किए, बल्कि यह होती है कि उसके रहते समाज ने कितनी बार अपने विवेक की आवाज सुनी। छत्तीसगढ़ के सार्वजनिक और बौद्धिक जीवन में ऐसी ही एक निर्भीक आवाज का अवसान हो गया। 26 नवंबर, संविधान दिवस की सुबह, जब देश संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान और लोकतांत्रिक मूल्यों को स्मरण कर रहा था, उसी दिन प्रख्यात गांधीवादी चिंतक, संविधान विशेषज्ञ, वरिष्ठ अधिवक्ता और सशक्त लेखक कनक तिवारी जी ने अंतिम विदाई ली। यह संयोग जितना मार्मिक है, उतना ही अर्थपूर्ण भी। जिस संविधान की आत्मा को समझने, समझाने और जनजीवन में प्रतिष्ठित करने के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उसी संविधान के दिवस पर उनका महाप्रयाण होना एक युगीन विडंबना की तरह हमारे सामने है। उनका जाना केवल छत्तीसगढ़ की क्षति नहीं, बल्कि उस वैचारिक परंपरा के लिए गहरा आघात है, जो सत्ता से अधिक सत्य और पद से अधिक सिद्धांतों को महत्व देती है।

26 जुलाई 1940 को जन्मे कनक तिवारी जी का जीवन बहुआयामी प्रतिभा, अथक अध्ययन और सामाजिक प्रतिबद्धता का विलक्षण उदाहरण रहा। अंग्रेजी साहित्य के प्राध्यापक के रूप में शुरूआत करने के बाद पत्रकारिता और फिर स्वर्ण पदक के साथ विधि की शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने अधिवक्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। मध्य प्रदेश गृह-निर्माण मंडल के अध्यक्ष से लेकर छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों तक की उनकी यात्रा उपलब्धियों से अधिक उत्तरदायित्वों की यात्रा थी। गांधी, विवेकानंद, लोहिया और भगत सिंह के विचारों का प्रभाव उनके व्यक्तित्व और चिंतन में स्पष्ट दिखाई देता था। वे विचारों को केवल उद्धृत करने वाले बुद्धिजीवी नहीं थे, बल्कि उन्हें जीवन के व्यवहार और सार्वजनिक विमर्श में उतारने का साहस रखते थे। उनके लिए संविधान कानून की धाराओं का संग्रह भर नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय और मानवीय गरिमा का जीवंत दस्तावेज था।

उनकी लेखनी का मूल स्वर सत्ता की प्रशस्ति नहीं, बल्कि व्यवस्था की पड़ताल था। 'संविधान का सच', 'संविधान की पड़ताल', 'फिर से हिंद स्वराज' और 'गांधी और पंचायती राज' जैसी कृतियाँ उनके गहन अध्ययन, स्वतंत्र चिंतन और लोकतांत्रिक सरोकारों की सशक्त अभिव्यक्ति हैं। वे संविधान को राजपथ की औपचारिकता से निकालकर जनपथ की वास्तविकता बनाना चाहते थे। उनका मानना था कि संविधान की सफलता उसके उत्सवों, समारोहों और भाषणों से नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन में आए न्यायपूर्ण बदलाव से मापी जानी चाहिए। आदिवासी समाज के अधिकारों, बस्तर की पीड़ा, विस्थापन, सामाजिक विषमता और वंचितों के सवालों पर उनकी मुखरता इसी संवेदनशील दृष्टि का परिणाम थी। वे उन मुद्दों पर भी बोलते थे, जिन पर बोलना सुविधाजनक नहीं होता। उनकी लेखनी में अध्ययन की प्रामाणिकता थी, तर्क की दृढ़ता थी और सबसे बढ़कर उन लोगों के प्रति संवेदना थी, जिनकी आवाज व्यवस्था तक पहुँचते-पहुँचते अक्सर दम तोड़ देती है।

कनक तिवारी जी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी निर्भीक वैचारिक स्वतंत्रता थी। वे किसी सत्ता, सरकार अथवा राजनीतिक सुविधा के प्रति नहीं, बल्कि संविधान और जनहित के प्रति जवाबदेह रहना अपना दायित्व समझते थे। उनके लिए असहमति कोई राजनीतिक मुद्रा नहीं, लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त थी। वे जानते थे कि जिस व्यवस्था में प्रश्न पूछने वालों की आवाज कमजोर पड़ने लगे, वहाँ लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती भी खतरे में पड़ जाती है। इसीलिए उन्होंने सत्ता के निर्णयों को तर्क और संवैधानिक मूल्यों की कसौटी पर परखने में कभी संकोच नहीं किया। उनकी स्पष्टवादिता में व्यक्तिगत कटुता नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन को अधिक जवाबदेह बनाने की आकांक्षा थी। वे संविधान को केवल न्यायालयों और विधि विशेषज्ञों का विषय नहीं मानते थे; उनकी दृष्टि में यह आम नागरिक के अधिकारों की सबसे बड़ी ताकत और अन्याय के विरुद्ध अहिंसक प्रतिरोध का प्रभावी माध्यम था। पद, प्रतिष्ठा और विद्वता के बावजूद उनका व्यक्तित्व असाधारण सादगी और आत्मीयता से परिपूर्ण रहा। वे उन लोगों में थे, जिनकी उपस्थिति अपने पद से नहीं, विचारों के प्रभाव से महसूस की जाती है। उनकी मुस्कान में सहजता, व्यक्तित्व में विनम्रता, आँखों में अध्ययन की गहराई और वाणी में निर्भीकता थी। वे ज्ञान को प्रतिष्ठा अर्जित करने का साधन नहीं, समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का माध्यम मानते थे। आज जब सार्वजनिक जीवन में वैचारिक प्रतिबद्धता की जगह सुविधानुसार चुप्पी और सिद्धांतों की जगह पदानुकूल व्यवहार दिखाई देने लगा है, तब उनका जीवन एक महत्वपूर्ण प्रतिमान बनकर सामने आता है। उन्होंने सिखाया कि विद्वता की वास्तविक ऊँचाई इस बात से तय होती है कि व्यक्ति अपने ज्ञान का उपयोग कितनी ईमानदारी से समाज के कमजोर और वंचित लोगों के पक्ष में करता है। संविधान दिवस पर उनका महाप्रयाण समय के माथे पर दर्ज एक असाधारण संयोग है। यह दिन हमें केवल संविधान की प्रस्तावना पढ़ने या उसके निमार्ताओं को स्मरण करने का अवसर नहीं देता, बल्कि अपने लोकतांत्रिक आचरण की समीक्षा करने का दायित्व भी सौंपता है। कनक तिवारी जी का जीवन इसी समीक्षा का जीवंत उदाहरण था। वे संविधान की रक्षा को किसी एक संस्था, पद अथवा अवसर की जिम्मेदारी नहीं मानते थे। उनके लिए यह प्रत्येक जागरूक नागरिक का नैतिक कर्तव्य था। आज उनके जाने पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम संविधान को केवल सम्मान देने तक सीमित रखेंगे या उसके मूल्यों के लिए खड़े होने का साहस भी दिखाएँगे? क्या अन्याय के सामने हमारी आवाज उतनी ही मुखर होगी, जितनी समारोहों में हमारे संकल्पों की ध्वनि होती है?

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अटल बिहारी वाजपेयी स्पोर्ट्स फेस्ट का भव्य शुभारंभ

जोन-5 की तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 45 नर्सिंग कॉलेजों के 1,098 विद्यार्थी ले रहे हैं भाग









वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

पिलखुवा (हापुड़)। अनवरपुर गांव स्थित सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग में गुरुवार को अटल बिहारी वाजपेयी स्पोर्ट्स फेस्ट 2026-27 के तहत नर्सिंग कॉलेजों की जोनल स्तरीय खेल प्रतियोगिता (जोन-5) का भव्य शुभारंभ हुआ। 26 से 28 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय खेल महोत्सव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 45 नर्सिंग कॉलेजों के 1,098 विद्यार्थी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। खेल महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा एवं क्लिनिकल प्रशिक्षण के साथ खेलों में प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना तथा उनमें शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सुदृढ़ता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं स्वागत समारोह के साथ हुआ। सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या एवं स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर प्रो. डॉ. आर. पिरामिला ने अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों, खेल अधिकारियों, विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिनिधियों, टीम मैनेजर्स एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में खेल महोत्सव की रूपरेखा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धौलाना विधायक धर्मेश तोमर उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के डायरेक्टर रघुवर दत्त, जनरल मैनेजर एन. वरदराजन, तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, चेन्नई के पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. टी. राधाकृष्णन, द अमेरिकन कॉलेज, मदुरै, तमिलनाडु के डायरेक्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन डॉ. एम. बालकृष्णन, डॉ. के.एन. मोदी यूनिवर्सिटी, एनसीआर कैंपस, मोदीनगर के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभागाध्यक्ष सुभाष तेवतिया, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, मेडिकल सुपरिटेंडेंट ब्रिगेडियर डॉ. विनीत रस्तोगी, सरस्वती कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. नितिन कुमार, एचआर प्रमुख लुक्रिशिया रुबावथी तथा नर्सिंग सुपरिटेंडेंट अहल्या शशिधरन सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि धर्मेश तोमर का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को पूरे उत्साह, ऊर्जा और अनुशासन के साथ खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व, सहयोग और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर खेल महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया। रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में छोड़कर एकता, उत्साह और नई ऊर्जा का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ एथलेटिक मशाल प्रज्वलित कर खेल प्रतियोगिताओं के शुभारंभ की घोषणा की। इस दौरान पूरे परिसर में खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना देखते ही बन रही थी।

तीन दिवसीय खेल महोत्सव में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न इंडोर एवं आउटडोर खेलों के साथ एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। टीम स्पोर्ट्स के अंतर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल एवं बैडमिंटन प्रतियोगिताएं शामिल हैं। वहीं एथलेटिक्स में 100, 200, 400 एवं 800 मीटर दौड़, 4:100 मीटर रिले रेस, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप, हाई जंप एवं जैवलिन थ्रो जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी गति, शक्ति, सहनशक्ति और खेल कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। उद्घाटन समारोह के समापन पर सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के डायरेक्टर रघुवर दत्त ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, संस्थान के प्रबंधन, आयोजन समिति, खेल अधिकारियों, फैकल्टी सदस्यों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह के बाद सुबह 11 बजे से विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं शुरू हुईं, जो शाम सात बजे तक जारी रहीं। पूरे दिन खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। आगामी दो दिनों में भी रोमांचक खेल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन तथा वाइस चेयरपर्सन डॉ. रम्या रामचंद्रन ने खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामना संदेश प्रेषित किया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं। खेल गतिविधियां न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा जैसे गुणों का भी विकास करती हैं। उन्होंने आयोजन में भाग लेने वाले सभी नर्सिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों, खेल अधिकारियों एवं आयोजन समिति को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह तीन दिवसीय खेल महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगा तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के बीच एकता, सहयोग और खेल भावना को और अधिक मजबूत बनाएगा।

गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में 2027 की तैयारी में जुटे आशुतोष शर्मा, सपा से टिकट की दावेदारी पेश की

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के नेता आशुतोष शर्मा ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। आशुतोष शर्मा का दावा है कि पिछले 10 वर्षों से वह लगातार क्षेत्र में सामाजिक, शैक्षिक और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन कर पार्टी को मजबूत करने तथा लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। आशुतोष शर्मा के अनुसार, उनके नेतृत्व में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में समाजवादी पार्टी के कई राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने भी शिरकत की है। इनमें पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय सचिव व प्रवक्ता अभिषेक मिश्रा द्वारा एक हजार मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह प्रमुख रहा।इसके अलावा समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं महिला सभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने महिला सम्मेलन में करीब 1500 महिलाओं तथा शिक्षा सम्मेलन के माध्यम से 1500 मेधावी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को सम्मानित किया।आशुतोष शर्मा ने बताया कि समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहद भी उनके द्वारा आयोजित युवा सम्मेलन, सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह और बाढ़ पीड़ितों की सहायता से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल हो चुके हैं। इन कार्यक्रमों में एक हजार से अधिक लोगों को सम्मानित करने और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का कार्य किया गया। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा यादव भी गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में आयोजित महिला पंचायत संसद में शामिल हुई थीं, जहां पांच हजार से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया गया।इसी क्रम में सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं हापुड़ जनपद प्रभारी प्रोफेसर धर्मेंद्र यादव भी आशुतोष शर्मा द्वारा आयोजित 40 से अधिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं। आशुतोष शर्मा का दावा है कि इन कार्यक्रमों में कुल मिलाकर 50 हजार से अधिक लोगों की भागीदारी रही है।इसके अतिरिक्त बाबासाहेब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती और समाजवादी महिला सभा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लीलावती कुशवाहा भी उनके कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो चुकी हैं।आशुतोष शर्मा ने कहा कि उन्होंने पिछले दस वर्षों में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच पहुंच बनाने के लिए लगातार काम किया है। उनका कहना है कि पार्टी नेतृत्व को उनके कार्यों और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव में टिकट के लिए उनके नाम पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उनकी तैयारी पूरी मजबूती के साथ चल रही है। उन्हें उम्मीद है कि समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व उन पर भरोसा जताते हुए गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का अवसर देगा।आशुतोष शर्मा ने कहा कि उनका उद्देश्य क्षेत्र में पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना तथा युवाओं, महिलाओं, किसानों और समाज के सभी वर्गों को संगठन से जोड़ना है।

गन्ना भुगतान के वादे से मुकरने पर भाकियू (अराजनैतिक) ने मिल अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने सिम्भावली और ब्रजनाथपुर चीनी मिल के अधिकारियों पर किसानों को गन्ना भुगतान का झूठा आश्वासन देकर वादे से मुकरने का आरोप लगाया है। संगठन ने एसएसपी हापुड़ को पत्र सौंपकर संबंधित मिल अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।जिला अध्यक्ष चौधरी पवन हूण गुर्जर ने बताया कि 19 नवंबर 2026 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय पर बैठक आयोजित हुई थी। इसमें सिम्भावली चीनी मिल के सीजीएम करन सिंह, जीएम अमानउल्ला खान, ब्रजनाथपुर चीनी मिल के जीएम परमजीत सिंह, जिला गन्ना अधिकारी अंगद सिंह सहित विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे थे।बैठक में मिल अधिकारियों ने नए और पुराने गन्ने का भुगतान 14 दिनों के अंदर करने का आश्वासन दिया था। साथ ही दो दिन के भीतर इस संबंध में लिखित आश्वासन देने की बात भी कही गई थी। 20 नवंबर को समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बाद क्षेत्र के किसानों ने मिलों को गन्ना देना शुरू कर दिया था।भाकियू जिला अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 25 नवंबर को मिल अधिकारियों से दोबारा वार्ता की गई तो वे अपने वादे से मुकरते नजर आए और भुगतान करने में असमर्थता जताई। संगठन का कहना है कि इससे क्षेत्र के हजारों किसानों के हित प्रभावित हो रहे हैं।भाकियू (अराजनैतिक) ने पुलिस प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित मिल अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।इस दौरान जिला संरक्षक कटार सिंह, पारुल त्यागी, राजेंद्र सिंह डागर, सुशील हूण, योगेंद्र त्यागी सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

लखनऊ में संविधान रक्षा मार्च कार्यक्रम में शामिल हुए हापुड़ के कांग्रेसजन

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़/लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को आयोजित संविधान रक्षा मार्च कार्यक्रम में हापुड़ के कांग्रेसजनों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से हजारों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान राष्ट्रगीत और ध्वज वंदना भी की गई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी राय रखने और संविधान के दायरे में रहकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अधिकार है।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि प्रदेशभर से हजारों कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता संविधान रक्षा मार्च में शामिल होने पहुंचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने संविधान रक्षा मार्च निकालने की अनुमति नहीं दी, जिसकी कांग्रेसजन कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। वहीं प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संविधान की प्रस्तावना पढ़कर संविधान की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के अंत में संविधान के प्रति निष्ठा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया गया। हापुड़ से पहुंचे कांग्रेसजनों ने कार्यक्रम को संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।ये रहे उपस्थितः पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, प्रदेश सचिव एससी-एसटी प्रकोष्ठ रश्मि चौधरी, जिला उपाध्यक्ष लाल बहादुर, जिला महासचिव एवं मीडिया प्रभारी गौरव गर्ग, जिला महासचिव एवं सभासद विकास दयाल, मोहम्मद नफीस, गोपाल भारती, अजीत कुमार, महबूब अली सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर कबीर साहित्य परिषद ने मनाई संस्था की तीसरी और 'अनपढ़ मां की जंग' पुस्तक की प्रथम वर्षगांठ

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। ग्राम मुरादपुर सागर कॉलोनी में कबीर साहित्य परिषद-भारत की ओर से संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय संविधान की 77वीं वर्षगांठ के साथ संस्था की तीसरी वर्षगांठ और पुस्तक 'अनपढ़ मां की जंग' के प्रकाशन की प्रथम वर्षगांठ भी मनाई गई। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष बेखौफ शायर डॉ. नरेश कुमार सागर ने कहा कि कबीर साहित्य परिषद-भारत निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि उनकी पुस्तक 'अनपढ़ मां की जंग' की अब तक 307 प्रतियां बिक चुकी हैं, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि साहित्य देश, समाज, धर्म और मानवता की बात करता है। संस्था के माध्यम से साहित्य को नई दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय संविधान को देश का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रंथ बताया, जो प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और अधिकारों की भावना प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी भारतीयों का कर्तव्य है कि संविधान की रक्षा करें और संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सदैव सम्मान करें। इस अवसर पर कविता सागर, युवा कवि सौरभ वर्मा, युवा कवयित्री आशा उमंग, निखिल सागर, रोशनी देवी, साक्षी, डॉ. राजेश कुमार, मोबीन खान, इशियाक अहमद, सोनू आढ़ती, मयंक वर्मा, सोहन पाल सिंह सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

जेएमएस लॉ कॉलेज में हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया संविधान दिवस

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। जेएमएस लॉ कॉलेज, हापुड़ में 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के मूल्यों, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रमोद कुमार गोयल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एवं अलीगढ़ प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती निशा गोयल उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जेएमएस शिक्षण संस्थान समूह के सचिव डॉ. रोहन सिंघल, प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल एवं महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) सुभाष गौतम की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता एवं न्याय का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान के प्रति सम्मान रखने तथा विधि के शासन एवं न्यायिक मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन के साथ हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों को संविधान निर्माण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संविधान सभा के योगदान तथा प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन विधि विभाग की प्रोफेसर सुश्री श्वेता वर्मा ने प्रभावशाली ढंग से किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विधि विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मूट कोर्ट (न्यायालय का अभ्यास सत्र) रहा। इसमें 'बबली निगम बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' नामक मुकदमे के माध्यम से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को न्यायालयीन नाट्य रूपांतरण के जरिए प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने न्यायालय की कार्यप्रणाली, कानूनी बहस, तर्क-वितर्क एवं न्यायिक प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। मूट कोर्ट में लव शर्मा, काजल, रमा शर्मा, रचित सिंघल, विधि सिंघल, कल्पना एवं कशिश ने प्रतिभाग कर अपनी कानूनी समझ और वाकपटुता का सराहनीय प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विधि विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार, प्रोफेसर उमेश कुमार, सुश्री रूबी अग्रवाल एवं प्रोफेसर विजय कुमार सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। वक्ताओं ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक समीक्षा, मौलिक अधिकारों के संरक्षण तथा लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय प्रबंधन की ओर से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संवैधानिक आदर्शों का सम्मान करे और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाए। कार्यक्रम में कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं विधि संकाय के विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में सभी ने भारतीय संविधान की मूल भावना न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता को अपने जीवन में अपनाने तथा एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

हापुड़ की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में डॉ. आंबेडकर एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं के सौंदर्यीकरण का किया गया शिलान्यास

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। संविधान दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित डॉ. बी.आर. आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत जनपद हापुड़ की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में चयनित स्थलों पर प्रतिमाओं के नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शिलान्यास एवं पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस योजना का उद्देश्य भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी.आर. आंबेडकर के विचारों, आदर्शों और सामाजिक न्याय के प्रति उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाना है। इसके अंतर्गत बाबासाहेब सहित राष्ट्रीय स्तर के समाज सुधारकों एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं का नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है।इसी क्रम में 26 नवंबर 2026 को लखनऊ स्थित लोक भवन में मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसका सजीव प्रसारण जनपद हापुड़ में भी किया गया।विधानसभा हापुड़ के ग्राम नली हुसैनपुर में डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास विधायक विजयपाल आढ़ती की उपस्थिति में किया गया। वहीं विधानसभा धौलाना के पिलखुवा में भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा के कार्य का शिलान्यास विधायक धर्मेश सिंह तोमर तथा विधानसभा गढ़मुक्तेश्वर के ग्राम गंदू नगला में डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा के कार्य का शिलान्यास विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया की उपस्थिति में किया गया।जिला समाज कल्याण अधिकारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि जनपद की तीनों विधानसभाओं में 10-10 स्थलों का चयन किया गया है। अन्य चयनित स्थलों पर भी ग्राम प्रधानों के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित कर योजना को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया।

संविधान एवं विधि दिवस: सीएम धामी ने की अभियोजन विभाग के लिए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं









वेलकम इंडिया/ओ पी उनियाल

देहरादून। संविधान एवं विधि दिवस के अवसर पर.मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज पुलिस लाइन, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में सभी को संविधान एवं विधि दिवस की शुभकामनाएं देते हुए भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं संविधान सभा के सभी सदस्यों के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस हमें संविधान के आदर्शों एवं मूल्यों को अपने व्यवहार और कार्यशैली में उतारने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अभियोजन विभाग के लिए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के संबंध में अभियोजन विभाग, पुलिस विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने तथा आमजन को जागरूक करने के लिए अभियोजन विभाग को 25 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की जाएगी। अभियोजन विभाग के कार्यालयों के आधुनिकीकरण के लिए कंप्यूटर एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं हेतु अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश के सभी जनपदों में अभियोजन कार्यालयों की बुनियादी सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन पहलों से अभियोजन विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी और प्रदेश की अभियोजन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को संविधान की शपथ भी दिलाई। उन्होंने विधि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विधि, समाज सेवा, चिकित्सा, शिक्षा एवं अभियोजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 12 विभूतियों को सम्मानित किया। इनमें वरिष्ठ अधिवक्ता सीताराम नागलिया, एस.सी. बिरमानी एवं गोविन्द राम नौटियाल, समाजसेवी श्रीमती कुसुम कण्डवाल, चिकित्सक डॉ. गीता खन्ना एवं डॉ. महेश कुड़ियाल, समाजसेवी एवं शिक्षाविद् ललित जोशी तथा सेवानिवृत्त अभियोजक राम सिंह शर्मा, मनोहर लाल सडाना, सुभाष चन्द्र गुप्ता, त्रेपन सिंह बिष्ट एवं सुन्दर सिंह गुसाईं शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड अभियोजन पत्रिका एवं हमारा राज्य, हमारा कानून का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में न्याय और सत्य को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। महाभारत में वर्णित विदुर नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवस्था की प्रतिष्ठा तभी बनी रहती है, जब उसके केंद्र में सत्य, न्याय और निष्पक्षता हो। यही सिद्धांत हमारी न्याय व्यवस्था का भी आधार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियोजन सेवा आपराधिक न्याय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। विवेचना अधिकारियों द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों का विधिक परीक्षण करना, तथ्यों एवं साक्ष्यों को न्यायालय के समक्ष स्पष्ट और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करना तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए अभियोजन का पक्ष मजबूती से रखना अभियोजन अधिकारियों का महत्वपूर्ण दायित्व है। अभियोजन अधिकारियों की मेहनत, विधिक दक्षता और निष्पक्षता से न्याय व्यवस्था के प्रति आम नागरिकों का विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के लिए अभियोजन अधिकारियों की सराहना भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन भारत के इतिहास में अत्यंत गौरवपूर्ण है। इसी दिन संविधान सभा ने दो वर्ष, 11 माह और 18 दिन के अथक परिश्रम के बाद भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था।

गीता शोध संस्थान में संविधान दिवस पर गूंजा संविधान गीत

प्रशिक्षण पा रहे बच्चों ने दी संगीतमय प्रस्तुति, शपथ दिलायी

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/वृंदावन। गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में बुधवार को भारतीय संविधान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। रासलीला के प्रशिक्षुओं को संविधान की रक्षा की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर रासलीला का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बालक-बालिकाओं ने भारतीय संविधान के महत्व और उसके मूल्यों पर आधारित एक प्रेरणादायक गीत की संगीतमय प्रस्तुति दी। बच्चों ने सामूहिक स्वर में गीत के बोल 'छब्बीस नवंबर का दिन आया, संविधान का संदेश लाया। न्याय, स्वतंत्रता, समता का, हमको सुंदर पाठ पढ़ाया' प्रस्तुत कर संविधान के मूल आदर्शों का संदेश दिया। गीत को संगीतबद्ध करने और बच्चों को आकर्षक सामूहिक गायन के लिए तैयार करने हेतु संगीत प्रशिक्षकों द्वारा कई दिनों से पूर्वाभ्यास कराया जा रहा था। संगीत संयोजन में आकाश ने हारमोनियम, मनमोहन कौशिक ने सारंगी तथा सुनील पाठक ने तबले पर संगत की। बच्चों को गीत की प्रस्तुति एवं सामूहिक गायन का अभ्यास कोरियोग्राफर मानसी राजपूत ने कराया। इस अवसर पर गीता शोध संस्थान के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने सभी को संविधान की रक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत किया गया था, जबकि 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। इसी उपलक्ष्य में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य नागरिकों को संविधान के मूल्यों, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को बचपन से ही संविधान के प्रति सम्मान, अपने अधिकारों की समझ और कर्तव्यों के पालन की भावना विकसित करनी चाहिए। ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चंद्र शर्मा ने बच्चों को संविधान के प्रति समर्पित, जागरूक एवं सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को भारतीय संविधान के बारे में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए और उसके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यालय प्रभारी दीपक शर्मा, रामवीर दिवाकर, विक्रम दिवाकर, बच्चू सिंह एवं मनीष सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मंदिरों के निकट गंदगी से खफा हुईं महिला, प्रशासक पूर्व प्रधान के घर पर लगाया जमघट

पांच साल से बिहारी जी मन्दिर गलियारा में गंदगी, अब कुंड और मंदिरों के निकट कूड़ा स्वीकार नहीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र की अडींग पंचायत में मंदिरों के निकट गंदगी से डलावघर बनाने से महिलाएं नाराज हैं। दो दर्जन से अधिक महिलाएं गुरुवार को प्रशासक (पूर्व प्रधान) के घर जा पहुंची । मंदिरों के निकट व कुण्ड में गंदगी के चलते लोगों का सांस लेना दूभर हो रहा है। कचरे के डालने का स्थान मंदिरों से दूर रखने एवं रोजाना उठान की भी मांग की। महिलाओं ने बताया कि पूरी पंचवर्षीय निकलने के बाद भी इस दिशा में पहल नहीं की गई। अब भी प्रशासक ने 10 दिन का समय मांगा है।

39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट वाली पंचायत में हाल बेहाल है। यह अलग बात है कि पंचायत को स्वच्छता का राज्य स्तरीय पुरस्कार मिल चुका है। अब जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री पुरस्कार के लिए पंचायत का नाम भेजा है। हकीकत यह है कि करोड़ों खर्चने के बाद भी ग्रामीण मूलभूत जरूरतों को लेकर भी परेशान रहते हैं। पंचायत के सफाई कर्मचारियों ने ठेके पर चंद लोग छोड़ रखे हैं। वह गांव के किसी एक कोने की सफाई में खप जाते हैं। किलोमीटरों में फैले गांव के निजी सफाई करने वालों को कहीं भी कूड़ा डालने की जगह नजदीक नहीं। पंचायत की ट्रालियों का अता पता नहीं। खरीदी गई ट्राली भी पूरी तादात में मौजूद नहीं हैं ऐसे आरोप हैं। ट्राली खडी.हो जाए तो ट्रैक्टर में डीजल का पता नहीं रहता। जहां ट्राली खडी.कर दी जाती हैं वहीं कयी ट्राली कूड.जमा हो जाता है। बिहारी जी मंन्दिर गलियारा के पास महादेव मंदिर, पीछे पथवारी मंदिर, गंगाजी आदि मंदिर व निकट ही किलोल कुण्ड के घाट हैं। इस क्षेत्र में गंद खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पहले रत्न पार्क उत्सव केन्द्र के निर्माण के चलते गंदा पानी भरा रहता था अब मुहल्ले के कूड़े के निस्तारण को लेकर लोग परेशान हैं।



आर आर सी यूनिट-डंपिंग यार्ड पडे.बेकार

पंचायत में डंपिंग यार्ड और आर आर सी यूनिट के निर्माण पर 50 यों लाख से ज्यादा धन खर्च किया गया है लेकिन दोनों में एक किलो भी कचरा कभी नहीं गया। डंपिंग यार्ड के टीन उड़ चुके हैं। गेट टूट चुका है लेकिन किसी को परवाह नहीं है। नये बजट को खर्च करने की चिंता प्रशासक, सचिव और अधिकारियों को जरूर रहती है।

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, चाकू बरामद

वेलकम इंडिया/परवेज अख्तर

संतकबीरनगर। थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद करने का दावा किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अभयनाथ मिश्रा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। टीम में उपनिरीक्षक उदयशंकर द्विवेदी एवं कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार सोनी शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, थाना कोतवाली खलीलाबाद में दर्ज मुकदमा संख्या 1058/2026 की धाराओं 118(1), 352, 351(3) एवं 109(1) बीएनएस के तहत वांछित अभियुक्त गुरमीत सिंह पुत्र राजेन्द्र पाल सिंह निवासी शास्त्री नगर, गोलाबाजार, टाउन एरिया खलीलाबाद को 26 नवंबर 2026 को गोलाबाजार स्थित उसकी दुकान से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, वादी ने 25 नवंबर 2026 को थाने में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि अभियुक्त ने सरिया से जान से मारने की नीयत से उस पर हमला कर घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

'गन मास्टर जी9' में दिखेंगे ब्रज के कलाकार दुर्गी भैया और लकी तौमर

27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। ब्रज कलाकार एक बार फिर मायानगरी मुंबई में जलवा बिखरने जा रहे हैं। ब्रज के जाने-माने कलाकार दुर्गी बड़े पर्दे पर अपनी दमदार अदाकारी का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। फिल्म निर्देशक आदित्य दत्त, फिल्म निमार्ता दीपक मुकुट के नेतृत्व में प्रोडक्शन हाउस सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के बैनरतले वे आगामी बॉलीवुड फिल्म 'गन मास्टर जी9' में एक विलेन के किरदार में दिखाई देंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म निर्देशक आदित्य दत्त, अभिनेता इमरान हाशमी और संगीतकार हिमेश रेशमिया की सुपरहिट तिकड़ी (जो पहले आशिक बनाया आपने में साथ काम कर चुकी है) इसलिए वापसी के रूप में भी चर्चा में है। अपने अनूठे अंदाज और अभिनय के दम पर मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में ब्रज का मान बढ़ाने वाले दुर्गी भैया इस फिल्म में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के साथ स्क्रीन साझा करते दिखेंगे। फिल्म में उनका नकारात्मक किरदार दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहने वाला है। इस फिल्म के माध्यम से ब्रज क्षेत्र के लिए दोहरी खुशी का अवसर आया है। दुर्गी भैया के साथ-साथ ब्रज के ही एक अन्य युवा कलाकार लकी तौमर को भी इस बड़े प्रोजेक्ट में अभिनय करने का मौका मिला है, जिससे स्थानीय कलाकारों और क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह है। फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साहित दुर्गी भैया ने ब्रजवासियों और अपने प्रशंसकों से सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखने और अपना प्यार व आशीर्वाद देने की अपील की है।

28 को मथुरा आ रहे मुख्यमंत्री को किसानों की समस्याओं का ज्ञापन सौंपेगी भाकियू (चढूनी)

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। आगामी 28 तारीख को मुख्यमंत्री के मथुरा आगमन पर भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के कार्यकर्ता किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपेंगे। संगठन द्वारा मुख्यमंत्री जी को जिले के अन्नदाताओं की जमीनी हकीकत और प्रशासनिक लापरवाही से अवगत कराया जाएगा।

ज्ञापन में उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित हैं:

- सिंचाई और बिजली संकट: जिले की नहरें और बंबा पूरी तरह सूखे पड़े हैं, जिनमें पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। दूसरी ओर, बिजली की अघोषित कटौती ने किसानों की कमर तोड़ दी है, जिससे फसलों की सिंचाई का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।
- आवारा पशु और जंगली सूअरों का आतंक: निराश्रित गोवंश और जंगली सूअर किसानों की खड़ी फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।
- गोवंश में लम्पी बीमारी और टीकाकरण में लापरवाही: गांव-देहातों में गोवंश लम्पी बीमारी से जूझ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा टीकाकरण के नाम पर केवल लीपापोती और खानापूर्ति की जा रही है।
- खाद की किल्लत और तहसीलों में शोषण: किसानों को समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इसके साथ ही तहसीलों में किसानों का लगातार शोषण हो रहा है, जिस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की जाएगी।
- आलू बीज वितरण में लापरवाही एवं किसानों को अनुदान: की समस्या प्रमुखता से रखी जाएगी।

भाकियू (चढूनी) के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो किसान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मेहदावल तहसील कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न

महबूब पठान पांचवीं बार सर्वसम्मत से तहसील अध्यक्ष चुने गए, विमलेश त्रिपाठी बने संरक्षक

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। आज डाक बंगला मेहदावल पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मेहदावल तहसील कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। बैठक में भाई महबूब पठान जी को पांचवीं बार सर्वसम्मत से मेहदावल तहसील अध्यक्ष चुना गया और श्री विमलेश त्रिपाठी जी को मेहदावल तहसील का संरक्षक चुना गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक के रूप में मंडल मंत्री बड़े भैया सतीश मिश्रा एवं मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के लोकप्रिय जिला अध्यक्ष बड़े भाई सौरभ त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष अतुल सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष गोरखनाथ राय एवं जिला मंत्री विष्णु स्वरूप ज उपस्थित रहे। बैठक में तहसील के ऊजार्वान साथी गोबिंद बल्लभ पाण्डेय, विनोद अग्रहरि, धर्मराज अग्रहरि, केशी चौधर शुभम जायसवाल इंतजार अंसारी विकास द्विवेदी विष्णु स्वरूप अब्दुल करीम हरिशंकर शाहनी धीरज पाठक मुरलीधर उपाध्याय विनोद कुमार अग्रहरि अम्बर बस्तवी धर्मेंद्र कुमार सहित तहसील के अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष महबूब पठान ने सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सभी मिलकर कार्य करेंगे।

एचआरपीजी डिग्री कॉलेज में विकसित भारत युवा संवाद एवं संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित



वेलकम इंडिया/परवेज अख्तर

संतकबीरनगर। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एचआरपीजी डिग्री कॉलेज) में मेरा युवा भारत (ट ईं१३) के तत्वावधान में विकसित भारत युवा संवाद एवं संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस दौरान विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के महत्व, नागरिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. बृजेश कुमार त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज कुमार भारतीय ने किया, जबकि डॉ. हेमंत शंकर ने आभार व्यक्त किया। वक्ताओं ने भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों और लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। प्रत्येक नागरिक को संविधान में निहित मूल्यों का सम्मान करते हुए अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी पूरी ईमानदारी से पालन करना चाहिए।

आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय का हुआ भूमि पूजन

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/फरह। दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के तत्वावधान में गुरुवार को गऊ ग्राम परखम स्थित दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के परिसर में आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय का भूमि पूजन किया गया। मीडिया प्रभारी कीर्ति पी० कुमार ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार गुरुवार को प्रातः वेला में वेद मंत्रोच्चारण के मध्य आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय की स्थापना और कर्मचारियों के लिए टू बीएचके आवासीय भवन निर्माण के लिए समिति पदाधिकारियों ने भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर प्रसाद वितरण किया गया। विदित हो कि 28 नवंबर को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गौ संवर्धन, आयुर्वेद, अनुसन्धान और शिक्षा को समर्पित विभिन्न प्रमुख प्रकल्पों का विमोचन, लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के मंत्री हरी शंकर शर्मा, संजय, डॉ० कैलाश सारस्वत, नरेंद्र पाठक, कमल कौशिक, जगदीश, डॉ० राम सारस्वत आदि सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अधिकारी, स्वयंसेवक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भूमि पूजन के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से गौ संरक्षण, पारंपरिक चिकित्सा पद्धति और वैज्ञानिक अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, विद्यार्थियों को शिक्षा के नए अवसर तथा युवाओं को रोजगार की संभावनाएं उपलब्ध होंगी। इससे ग्रामीण विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

सामूहिक विवाह में 180 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

प्रभारी मंत्री अनिल राजभर, सांसद जगदंबिका पाल समेत जनप्रतिनिधियों ने दिया आशीर्वाद, प्रत्येक वधू के खाते में भेजे गए 64 हजार रुपये

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी



सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बृहस्पतिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बगल स्थित परिसर में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इसमें 180 जोड़ों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर नए जीवन की शुरूआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर, सांसद जगदंबिका पाल, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह और अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया। समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसमें हिंदू समुदाय के 141, बौद्ध धर्म के 23 और मुस्लिम समुदाय के 16 जोड़ों का विवाह उनके रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडितों ने कराया, जबकि मुस्लिम जोड़ों का निकाह मौलानाओं ने पढ़ाया। बौद्ध समुदाय के जोड़ों का विवाह भी उनकी परंपरा के अनुसार संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि अनिल राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री का संकल्प है कि गरीब परिवार की कोई बेटी आर्थिक तंगी के कारण विवाह से वंचित न रहे। सरकार गरीबों के साथ खड़ी है और उनके जीवन के हर पड़ाव पर सहयोग कर रही है। उन्होंने नवदंपतियों के सुखमय दांपत्य जीवन की कामना की। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना से गरीब परिवारों की बेटियों की शादी की चिंता दूर हुई है। जनपद में अब तक 6,957 शादियां इस योजना के तहत संपन्न हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि नवविवाहित जोड़ों को रोजगार और प्लेसमेंट से जोड़ने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि सरकार गरीब परिवारों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह ने कहा कि यह केवल सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी निभाने का प्रयास है। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 64 हजार रुपये भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा 21 हजार रुपये की विवाह सामग्री दी गई तथा 15 हजार रुपये बारातियों के स्वागत पर व्यय किए गए। नवदंपतियों को कपड़े, बर्तन, ट्राली बैग, पंखा, कूलर, बिस्तर, कंबल, आभूषण और अन्य घरेलू उपयोग की सामग्री प्रदान की गई। समारोह में जिलाधिकारी समेत प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

सनई चौराहे पर भी चला अभियान, हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने की दी गई सलाह

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी





सिद्धार्थनगर। यातायात माह के तहत बृहस्पतिवार को यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने गंगा नेशनल पब्लिक स्कूल और राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए उनका पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए गए अभियान में अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि सड़क पर सावधानी बरतना और यातायात नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। इसके बाद संयुक्त टीम ने सनई चौराहे पर आम लोगों को जागरूक किया। वाहन चालकों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने और निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की सलाह दी गई। लोगों को नशे की हालत में वाहन न चलाने और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया। टीम ने अपील की कि लोग स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

मकान में घुसा बेकाबू ट्रक, शौचालय और घरेलू सामान हुआ क्षतिग्रस्त



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के पिपरा छंगत गांव में गुरुवार को एक अनियंत्रित ट्रक जैस मोहम्मद पुत्र सफीर हुसैन के मकान में जा घुसा। ट्रक की टक्कर से मकान का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि शौचालय, वाशिंग मशीन, चौकी, नल समेत अन्य घरेलू सामान टूट गया। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। गनीमत रही कि घटना के समय परिवार का कोई सदस्य ट्रक की चपेट में नहीं आया और कोई जनहानि नहीं हुई। पीड़ित परिवार ने नुकसान की भरपाई और मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर इटवा थाने में प्रार्थना पत्र देने की बात कही है।

छात्रा साधना चौधरी ने एक घंटे संभाली थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को पुलिस कार्यप्रणाली और महिला सुरक्षा की दी गई जानकारी





वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज छह अभियान के तहत गुरुवार को थाना कपिलवस्तु में छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सिद्धार्थ महाविद्यालय, वर्डपुर की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा साधना चौधरी को प्रतीकात्मक रूप से एक घंटे के लिए थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। थानाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से पहुंचीं छात्राओं को थाना परिसर का भ्रमण कराया गया। उन्हें थानाध्यक्ष कार्यालय, जीडी कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, मालखाना, कंप्यूटर कक्ष, सीसीटीएनएस कक्ष और आगंतुक कक्ष की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। साथ ही जनसुनवाई, अभिलेखों के रखरखाव, कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा से जुड़े पुलिस के दायित्वों की जानकारी दी गई।साधना चौधरी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से थानाध्यक्ष के कार्यों को समझा। छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। महिला सुरक्षा, एंटी रोमियो अभियान और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने छात्राओं से किसी भी समस्या पर निडर होकर पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

सात दिनों तक भक्ति और आस्था की बहेगी बयार, मतंगेश्वर धाम में किया जायेगा धार्मिक आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर-बंडा मार्ग पर कनपारा स्थित बंजारी बाबा स्थान मतंगेश्वर धाम आश्रम में 27 नवंबर से श्रीमद् भागवत कथा एवं द्वितीय रुद्र महायज्ञ का भव्य आयोजन शुरू होने जा रहा है। सात दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों के शामिल होने की संभावना है।आयोजकों के अनुसार, धार्मिक कार्यक्रम 27 नवंबर से प्रारंभ होकर तीन दिसंबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान आश्रम परिसर में विधि-विधान के साथ रुद्र महायज्ञ संपन्न कराया जाएगा। यज्ञ का आयोजन प्रतिदिन सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक होगा। वहीं, शाम छह बजे से रात्रि 11 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति, सदाचार और भगवान की महिमा का श्रवण करने का अवसर मिलेगा।आयोजन की विशेष बात यह है कि श्रद्धालु अपने परिवार के साथ यज्ञ में यजमान बनकर आहुति दे सकेंगे। इसके लिए किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं रखा गया है। जो भी श्रद्धालु यज्ञ में यजमान बनने के इच्छुक हैं, वे एक दिन पूर्व मतंगेश्वर धाम आश्रम पहुंचकर आयोजकों से संपर्क कर सकते हैं।आयोजकों ने बताया कि तीन दिसंबर को धार्मिक अनुष्ठान की पूर्णाहुति संपन्न होगी। इसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।आयोजन समिति ने समस्त क्षेत्रवासियों, श्रद्धालुओं और भगवत प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करें, रुद्र महायज्ञ में आहुति देकर धर्मलाभ प्राप्त करें और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करें।

संविधान की रक्षा और आम आदमी के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प

आम आदमी पार्टी ने मनाया संविधान दिवस और स्थापना दिवस, बाबा साहब को दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। संविधान दिवस एवं आम आदमी पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को पार्टी के जिला कार्यालय, आसाम रोड नए बाईपास के निकट कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस दौरान भारतीय संविधान के निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को याद कर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने संविधान की प्रस्तावना का स्मरण करते हुए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के मूल सिद्धांतों की रक्षा का संकल्प लिया।कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अमित मिश्रा ने कहा कि 26 नवंबर 2012 को संविधान की शपथ लेकर आम आदमी के अधिकारों की रक्षा के संकल्प के साथ आम आदमी पार्टी की स्थापना हुई थी। पार्टी तब से लगातार आम जनता के अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि कम समय में पार्टी ने दिल्ली में तीन बार सरकार बनाई और पंजाब में पूर्ण बहुमत की सरकार स्थापित की। इसके अलावा कई राज्यों में विधायक, चेयरमैन, पार्षद, मेयर और पंचायत प्रतिनिधि भी पार्टी से जुड़े हैं। पार्टी को राष्ट्रीय दल का दर्जा मिलना उसके संघर्ष और जनसमर्थन का परिणाम है।जिला महासचिव एडवोकेट संजय कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करता है। संविधान की रक्षा करना और उसके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए संविधान के मूल्यों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर रजत मिश्रा, श्रेयांस पांडेय और राघव गिहार सहित अन्य कार्यकताओं ने भी विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आम आदमी को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने की लड़ाई को और मजबूत किया जाएगा। कार्यकताओं ने सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम के अंत में जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। इस दौरान जगदीश मिश्रा, सोनू गंगवार, राजदीप लोधी, हरमन सिंह, सुनीता देवी, रामगुनी, हर्षा, सुमन, गंगा देवी, लज्जा देवी, सूरजवती और गुरमीत सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी पर्व पर सजा भव्य दीवान, संतों ने किया गुरु महिमा का बखान

दो दिवसीय समागम का श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ समापन, गुरुवाणी सुनकर निहाल हुई संगत

वेलकम इंडिया संवाददाता



अमरिया/पीलीभीत। क्षेत्र के गुरुद्वारा नानकसर बड़ापुरा भैंसहा में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक समागम का गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ समापन हो गया। समागम के अंतिम दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे संतों, रागी और ढाडी जत्थों ने गुरुवाणी के माध्यम से गुरु साहिब के त्याग, तपस्या और महान बलिदान का स्मरण कराया। गुरु महिमा का भावपूर्ण बखान सुनकर संगत निहाल हो उठी। कार्यक्रम के दौरान विशाल लंगर का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।समागम के दूसरे दिन सुबह श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश के उपरांत विधिवत दीवान सजाया गया। इसके बाद धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ। संत बाबा नरेंद्र सिंह नांदेड़ महाराष्ट्र हजूर साहिब वालों ने गुरु साहिब की महिमा का वर्णन करते हुए उनके जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब का जीवन मानवता, धर्म की स्वतंत्रता और सत्य की रक्षा के लिए किए गए अद्वितीय संघर्ष का प्रतीक है। उनका सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा।इस दौरान बीबी दिलेर कौर खालसा ढाडी जत्था पंजाब, भाई गुरप्रीत सिंह लाडरा ढाडी जत्था, बाबा सतनाम सिंह खुबिया नगला, जत्थेदार बाबा गुरप्रीत सिंह और जत्थेदार बाबा मोहन सिंह ने गुरुवाणी एवं धार्मिक प्रसंगों के माध्यम से गुरु साहिब के जीवन का वर्णन किया। वक्ताओं ने संगत को गुरु शब्द से जुड़ने, सेवा, सिमरन और मानवता के कल्याण के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।दो दिवसीय समागम में आसपास के क्षेत्रों के साथ दूरदराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान गुरुद्वारा परिसर गुरु वाणी और जो बोले सो निहाल के जयकारों से गूंजता रहा।इस अवसर पर सुखविंदर सिंह एमए, कथा वाचक जसवीर सिंह, डॉक्टर जगतार सिंह, चरणजीत सिंह, करमजीत सिंह सोनी, हरपाल सिंह, विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा अभियान में 86 वाहनों का चालान, दो ऑटो सीज



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के 11वें दिन बृहस्पतिवार को यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 86 वाहनों का चालान किया गया। इनमें हेलमेट, सीटबेल्ट, ट्रिपलिंग और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने वाले वाहन शामिल रहे। एआरटीओ संजय कुमार सिंह द्वारा फिटनेस फेल होने पर दो वाहनों को निरुद्ध किया गया। इस अभियान के तहत एआरटीओ ने परिवहन कार्यालय में ई-रिक्शा, ऑटो और बस यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। इसमें ई-रिक्शा और ऑटो के कारण लगने वाले जाम की समस्या पर चर्चा हुई। चालकों को निर्देश दिया गया कि किसी भी चौराहे पर वाहन खड़ा न करें। चौराहे से 100 मीटर पहले या बाद ही वाहन रोकें। चौराहे पर यात्रियों को उतारने और बैठाने पर भी रोक लगाई गई। इसके बाद सीओ यातायात राजकुमार सिंह और टीआई अजय सिंह यादव की मौजूदगी में सनई चौराहे पर अभियान चलाकर अवैध रूप से खड़े ऑटो और ई-रिक्शा हटवाए गए।

आगरा कमिश्नरेट के चार साल पूरे, स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्री ने किया भव्य समारोह का शुभारंभ





वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। आगरा में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के चार वर्ष पूरे होने पर गुरुवार को पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउंड में कमिश्नरेट स्थापना दिवस-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री भारत सरकार एसपी सिंह बघेल, अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन एसके भगत, पुलिस आयुक्त दीपक कुमार और पुलिस उपायुक्त पश्चिमी आदित्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनकेंद्रित बनाने के उद्देश्य से 26 नवंबर 2022 को आगरा में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू की थी। कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद पुलिस को कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में त्वरित निर्णय लेने और अपराध नियंत्रण की दिशा में अधिक प्रभावी तरीके से काम करने का अवसर मिला। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार के नेतृत्व में कमिश्नरेट आगरा पुलिस कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने, नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने, महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्थापना दिवस समारोह के माध्यम से पुलिस की उपलब्धियों, आधुनिक कार्यप्रणाली और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया।

संविधान दिवस पर पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने की ली शपथ



वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स, कमिश्नरेट आगरा में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस उपायुक्त मुख्यालय हरेन्द्र कुमार ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान में निहित मूल्यों और संविधान की उद्देशिका में वर्णित आदर्शों का स्मरण कराया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता बनाए रखने तथा संविधान के मूल सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान रहने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने संविधान के आदर्शों का पालन करने, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

पंचमुखी हनुमानगढ़ी मंदिर के निर्माण के समर्थन में एकजुट हुए क्षेत्रवासी, ग्रामीणों ने जताई गहरी आस्था

मुख्य संरक्षक कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर के सहयोग से मंदिर को भव्य स्वरूप देने की पहल

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। शिवपुर वार्ड नंबर 14 के परमानंदपुर स्थित श्री श्री 1008 प्राचीन पंचमुखी हनुमानगढ़ी मंदिर, आल्हा-काल्हा पोखरा को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। मंदिर के निर्माण एवं विकास को लेकर शुरूआत में कुछ लोगों द्वारा विरोध जताया गया था, लेकिन अब धीरे-धीरे मंदिर के पक्ष में लोगों का समर्थन बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि गांव के अधिकांश लोग मंदिर के निर्माण और विकास के पक्ष में हैं तथा मंदिर के प्रति उनकी गहरी आस्था जुड़ी हुई है। ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों ने बताया कि मंदिर के विकास और निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर से सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की गई है। कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर मंदिर के मुख्य संरक्षक हैं। वहीं, गांव के लोग भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार घर-घर से आर्थिक सहयोग कर रहे हैं, ताकि मंदिर को बेहतर और भव्य स्वरूप दिया जा सके। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं है, बल्कि गांव की आस्था, श्रद्धा और धार्मिक एकजुटता का प्रतीक है। मंदिर के निर्माण एवं विकास को लेकर ग्रामीणों में उत्साह है। क्षेत्रवासियों ने सभी लोगों से मंदिर के विकास कार्य में सहयोग करने और सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की है, जिससे सामूहिक प्रयासों से मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान किया जा सके। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष विनय पटेल, उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, रवि सिंह राजपूत एवं दिलीप कुमार सिंह, महासचिव अरविंद पटेल, मूलचंद पटेल, सचिन, रोहित पटेल एवं प्रेम पटेल, कोषाध्यक्ष डॉ. श्याम बली पटेल, संयुक्त सचिव रितेश पटेल, विवेक पटेल एवं अनिल पटेल सहित सदस्य कन्हैया लाल पटेल, मदन पटेल, अमरजीत पटेल, रामबली सिंह, सतीश पटेल, सत्यम पटेल, संदीप मौर्य, शुभम पटेल एवं रिंकू पटेल के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक घंटे में मिली पांच वर्षीय बच्ची, परिजनों को सौंपा

खुर्जा में मदार दरवाजे से हुई थी लापता, पहासू अड्डे पर सकुशल मिली बच्ची

वेलकम इंडिया संवाददाता



खुर्जा। ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना खुर्जा नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापता पांच वर्षीय बच्ची को महज एक घंटे में सकुशल तलाश कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्ची के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताते हुए उसकी सराहना की। पुलिस के अनुसार, 26 नवंबर को मदार दरवाजे के पास से पांच वर्षीय आनीया पुत्री अजहर के लापता होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही थाना खुर्जा नगर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल बच्ची की तलाश शुरू कर दी। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए विभिन्न स्थानों पर तलाश की। पुलिस टीम के प्रयासों से बच्ची को पहासू अड्डा, खुर्जा से सकुशल बरामद कर लिया गया। इसके बाद आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्ची को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह चौहान, उपनिरीक्षक संदीप कुमार, कांस्टेबल सुशांत कुमार, रिजर्व कांस्टेबल विकास कुमार तथा महिला कांस्टेबल सुमन और सोनाली शामिल रहीं। बच्ची को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने पुलिसकर्मियों का धन्यवाद किया। ऑपरेशन मुस्कान के माध्यम से पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय दिया। समय पर की गई कार्रवाई से बच्ची सुरक्षित घर पहुंच सकी और परिवार में खुशियां लौट आईं।

परीक्षा फॉर्म जमा नहीं होने पर छात्रों ने एसडीएम से लगाई गुहार

प्रार्थना पत्र रद्दी की टोकरी में डालने का आरोप, वीडियो वायरल होने पर एसडीएम ने दिए जांच के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता



शिकारपुर। श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में परीक्षा फॉर्म जमा नहीं किए जाने की समस्या को लेकर छात्र-छात्राओं ने उपजिलाधिकारी से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। छात्रों ने कॉलेज प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एसडीएम कार्यालय में प्रार्थना पत्र सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। छात्रों का कहना है कि महाविद्यालय प्रशासन उनके परीक्षा फॉर्म जमा नहीं कर रहा है। कुछ छात्रों की फीस बकाया है, जबकि कुछ छात्र आधी फीस जमा कर चुके हैं। इसके बावजूद उनके परीक्षा फॉर्म स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। छात्रों के मुताबिक परीक्षा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि नजदीक है और कई बार कॉलेज प्रशासन से शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। छात्रों ने आरोप लगाया कि उपजिलाधिकारी की गैरमौजूदगी में उन्होंने एसडीएम कार्यालय में तैनात स्टेनो को अपना प्रार्थना पत्र सौंपा था, लेकिन स्टेनो ने उनके प्रार्थना पत्र को रद्दी की टोकरी में डाल दिया। इस दौरान छात्रों ने घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। वीडियो वायरल होने के बाद मामला प्रशासनिक स्तर पर चर्चा का विषय बन गया। मामले का संज्ञान लेते हुए उपजिलाधिकारी ने जांच के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में उपजिलाधिकारी ने बताया कि मीडिया के माध्यम से वायरल वीडियो उनके संज्ञान में आया है। पूरे मामले की गहनता से जांच कराई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, महाविद्यालय प्रबंधन ने छात्रों द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है।

बंदरों के आतंक से परेशान एंपायर स्टेट सोसाइटी के निवासी, नगर निगम ने दो दिन में कार्रवाई का दिया आश्वासन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। बनारस के प्रमुख व्यावसायिक एवं तेजी से विकसित हो रहे वरुणापार क्षेत्र में स्थित दीनदयाल संकुल (टीएफसी) के आसपास बंदरों का आतंक दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। इसके चलते लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बड़ा लालपुर क्षेत्र के एढ़े स्थित एंपायर स्टेट सोसाइटी में रहने वाले सैकड़ों निवासी बंदरों के आतंक से परेशान होकर अपने-अपने फ्लैटों में रहने को मजबूर हैं। दर्जनों बंदरों के झुंड सोसाइटी में लगातार उत्पात मचा रहे हैं। नगर निगम में बार-बार शिकायत करने के बावजूद सोसाइटी के निवासियों को बंदरों के आतंक से निजात मिलती दिखाई नहीं दे रही है। हालात यह हैं कि छोटे बच्चों की बात तो दूर, बड़े लोगों का भी घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। सोसाइटी निवासी एवं आईटी सेल अध्यक्ष संतोष सिंह का कहना है कि नगर निगम के अधिकारियों से बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई समुचित प्रयास नहीं किया जा रहा है। इसके चलते क्षेत्र के लोगों और सोसाइटी के निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने नगर निगम से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने और लोगों को बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि बंदरों के काटने से घायल कई लोगों को अस्पताल में भी भर्ती कराना पड़ा है, जिससे सोसाइटी के निवासियों में भय का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में जब मीडिया ने नगर निगम वाराणसी के समन्वयक संदीप श्रीवास्तव को सोसाइटी के निवासियों की समस्या से अवगत कराया तो उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि नगर निगम की ओर से दो दिनों के भीतर इस संबंध में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोसाइटी में रहने वाले लोगों को बंदरों के आतंक के कारण किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अब देखना यह है कि नगर निगम की ओर से दिए गए आश्वासन के बाद कितनी जल्दी कार्रवाई होती है और निवासियों को इस समस्या से राहत मिल पाती है।

विधानसभा चुनाव के बाद होगा जिला प्रदर्शनी 2027 का आयोजन

अस्थायी दुकानों के किराये में एक हजार रुपये की वृद्धि, तैयारियां समय से पूरी करने के डीएम ने दिए निर्देश



वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रदर्शनी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी विधानसभा निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिला कृषि, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी 2027 का आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रदर्शनी के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। डीएम ने प्रदर्शनी स्थल पर मरम्मत, विद्युत व्यवस्था, रंगाई-पुताई और सड़क मरम्मत सहित सभी आवश्यक कार्यों की कार्ययोजना तैयार कर समय से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम समितियों के गठन और ठेका व टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने को कहा। समिति ने अस्थायी दुकानों के किराये में एक हजार रुपये की वृद्धि का निर्णय लिया। वहीं, आवंटित दुकानों का सत्यापन कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि दुकान का संचालन आवंटी ही कर रहे हैं। बैठक में सीडीओ निशा ग्रेवाल, एडीएम वित्त एवं राजस्व अभिषेक सिंह, एडीएम प्रशासन नीतीश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट जेपी पांडेय सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक पर गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, शैलेन्द्र कुमार सिंह के आवास पर हुई महाआरती

श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी के किए दिव्य दर्शन

/संतोष कुमार सिंह





वाराणसी। मणिकर्णिका रामलीला समिति की ओर से प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक की लीला का भव्य एवं भावपूर्ण मंचन किया गया। रामलीला मैदान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन और उनके राज्याभिषेक के प्रसंग को कलाकारों ने जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इस दौरान श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक की खुशी में श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए और पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। रामलीला मंचन के उपरांत प्रभु श्रीराम, माता सीता, अनुज लक्ष्मण एवं संकटमोचन हनुमान जी की दिव्य झांकी समाजवादी युवजन सभा के महानगर सचिव शैलेन्द्र कुमार सिंह के नीलकंठ स्थित आवास पर पहुंची। यहां श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ विधि-विधानपूर्वक भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। आवास पर पहले से मौजूद श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी के दिव्य दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद मनोज कुमार सिंह, सोना लाल सेठ, महेश चंद्र माहेश्वरी एवं किशन दीक्षित सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने शैलेन्द्र कुमार सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास से घर पर ही प्रभु श्रीराम के साक्षात दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके लिए सभी ने उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजन में शैलेन्द्र कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर किशन दीक्षित ने प्रभु श्रीराम की आरती उतारी। उनके साथ सोनालाल सेठ, महेश चंद माहेश्वरी, मनोज कुमार सिंह (पूर्व पार्षद), राहुल गुप्ता, फिरोज अहमद, आदित्य मिश्रा, आशीष सेठ, गणेश शर्मा, पवन कुमार सेठ एवं विशाल सेठ ने भी विधिवत आरती कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। महाआरती के दौरान शंखनाद, घंटा-घड़ियाल और जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के चरणों में पुष्प अर्पित किए और आरती में भाग लेकर राज्याभिषेक की खुशी उत्साहपूर्वक मनाई। इस दौरान पूरा वातावरण राममय हो गया और श्रद्धालु भक्ति एवं उल्लास में सराबोर नजर आए।

2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का संकल्प, हर बेटी को मिले शिक्षा और आत्मनिर्भरता का अधिकार: सावित्री ठाकुर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने अपने लेख के माध्यम से कहा है कि विवाह जीवन के एक नए अध्याय का आरंभ होता है, लेकिन जब दूल्हा या दुल्हन स्वयं बच्चे हों, तो यह उनके बचपन का अंत बन जाता है। जिस उम्र में बच्चों को अपनी पहचान बनानी चाहिए, सपने देखने चाहिए और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को संवारना चाहिए, उस उम्र में उन पर ऐसी जिम्मेदारियां डाल दी जाती हैं, जिनके लिए वे तैयार नहीं होते। बाल विवाह केवल पीढ़ियों से चली आ रही कोई सामाजिक प्रथा नहीं है, बल्कि यह बच्चों के अधिकारों का हनन और उनके बचपन के साथ अन्याय भी है। 14 वर्ष की उम्र में जिस बेटी के हाथों में किताबें होनी चाहिए, उस उम्र में उसके हाथ पीले कर दिए जाते हैं। पिछले दो दशकों में लगातार किए गए प्रयासों और मजबूत इच्छाशक्ति के कारण भारत में बाल विवाह के मामलों में काफी कमी आई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6, 2023-24) के आंकड़ों के अनुसार, 20 से 24 वर्ष की आयु की ऐसी महिलाओं की संख्या में कमी आई है, जिनका विवाह 18 वर्ष की उम्र से पहले हुआ था। अब यह आंकड़ा घटकर 20.1 प्रतिशत रह गया है। दो दशक पहले एनएफएचएस-3 (2005-06) में यह आंकड़ा 47.4 प्रतिशत था। इसमें 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट लाखों बेटियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है। आज 28 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में हैं। हालांकि, हर पांच में से एक युवती का बाल विवाह होना अब भी एक बड़ी चुनौती है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए देश ने एक स्पष्ट समय-सीमा तय की है। इसके तहत वर्ष 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बाल विवाह मुक्त भारत : दो वर्षों की निर्णायक यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की गरिमा, सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखा गया है। इसी संकल्प को गति देते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 5.3 के अनुरूप 27 नवंबर 2024 को 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की शुरूआत की। पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित इस अभियान में देश के 257 उच्च प्रभाव वाले जिलों को प्राथमिकता दी गई है। यह अभियान केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों और आम नागरिकों को एक मंच पर लाता है। पिछले दो वर्षों में इस अभियान ने जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव डाला है। अब तक 6.85 लाख जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 12.47 करोड़ लोगों तक संदेश पहुंचाया जा चुका है और 42 लाख से अधिक नागरिकों ने बाल विवाह के विरुद्ध शपथ ली है। 'बाल विवाह मुक्त भारत' पोर्टल पर 71,900 से अधिक बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) पंजीकृत हैं, जिनमें से लगभग 60,000 ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत हैं। इस पोर्टल के माध्यम से अब तक 4,500 से अधिक मामलों की सूचना दर्ज की जा चुकी है।

नवंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच चलाए गए पहले 100 दिवसीय विशेष अभियान ने इस संदेश को स्कूलों और कॉलेजों से लेकर मंदिरों, मस्जिदों, खानपान सेवा प्रदाताओं, टेंट हाउस, डीजे संचालकों और ग्राम पंचायतों तक पहुंचाया। इसके उत्साहजनक परिणाम धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। छत्तीसगढ़ का बालोद जिला भारत का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बन गया है, जहां 436 ग्राम पंचायतों और 9 शहरी स्थानीय निकायों में लगातार दो वर्षों तक एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ। इसी प्रकार सूरजपुर जिले ने अपनी 75 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया है। बाल विवाह के विरुद्ध भारत का संघर्ष राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर और महात्मा ज्योतिराव फुले जैसे समाज सुधारकों की विरासत से जुड़ा है, जिसकी परिणति बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के रूप में हुई। आज कानून पूरी तरह स्पष्ट है। 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह निषिद्ध है। ऐसा विवाह करवाने, बढ़ावा देने या इसमें शामिल होने वाले माता-पिता और अभिभावकों को दो वर्ष तक के कठोर कारावास और एक लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है। नए आपराधिक कानूनों ने इस दिशा में किसी भी संदेह की गुंजाइश समाप्त कर दी है। भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की पत्नी के साथ किसी भी प्रकार का यौन संबंध दुष्कर्म की श्रेणी में आता है और सर्वोच्च न्यायालय ने इसे पॉक्सो अधिनियम, 2012 के अंतर्गत गंभीर अपराध माना है। इसके साथ ही 18 अक्टूबर 2024 को अपने ऐतिहासिक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने दंड के बजाय रोकथाम पर जोर देते हुए पूर्णकालिक बाल विवाह निषेध अधिकारियों की नियुक्ति और बाल सगाई पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। कानून आवश्यक हैं, लेकिन केवल कानून से उस कुप्रथा को समाप्त नहीं किया जा सकता, जिसे सामाजिक स्वीकृति और चुप्पी का सहारा मिला हो। बाल विवाह गांव और समाज के भीतर तय होते हैं, इसलिए इनका अंत भी वहीं से होना चाहिए। पंचायती राज मंत्रालय के साथ साझेदारी करते हुए अब ग्राम सभाओं को इस मिशन की अगली पंक्ति में रखा गया है। 2 अक्टूबर को देशभर की ग्राम सभाओं से अपने गांवों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने के प्रस्ताव पारित करने का आह्वान किया गया। स्थानीय बाल विवाह निषेध अधिकारी द्वारा सत्यापन के बाद ही सरपंच, पंचायत सचिव, प्रखंड विकास अधिकारी और बाल विवाह निषेध अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से 'बाल विवाह मुक्त ग्राम प्रमाण-पत्र' जारी किया जाएगा। इसके साथ ही मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान को भी 'बाल विवाह मुक्त भारत' से जोड़ा गया है। स्कूल लौटने वाली हर बेटी बाल विवाह से सुरक्षित होती है। अब दोनों अभियानों का साझा मंत्र होना चाहिए–'पहले पढ़ाई, फिर शादी'। जब कोई पुजारी या खानपान सेवा प्रदाता नाबालिग के विवाह में अपनी सेवाएं देने से इनकार करता है और जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सरपंच सतर्क रहते हैं, तब बाल विवाह को सहारा देने वाली चुप्पी टूटती है।

27 नवंबर 2026 का दिन विशेष महत्व रखता है। एक ओर यह 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के दो वर्ष पूर्ण होने का अवसर है, तो दूसरी ओर इसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित पहला 'अंतरराष्ट्रीय बाल, प्रारंभिक और जबरन विवाह उन्मूलन दिवस' मनाया जाएगा, जिसके प्रस्ताव का भारत सह-प्रायोजक रहा है। यह दिवस लैंगिक हिंसा के विरुद्ध 16 दिवसीय अभियान (25 नवंबर से 10 दिसंबर) के मध्य आता है।

एस आर एम आई एस टी में 'विकसित भारत @ 2047 में युवाओं की भूमिका' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एस आर एम आई एस टी), दिल्ली-एनसीआर परिसर, गाजियाबाद में 26 नवंबर 2026 को पीटर एफ. ड्रकर हॉल में 'विकसित भारत @ 2047 में युवाओं की भूमिका' विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय चेतना तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात डॉ. आर. पी. महापात्रा, डीन, एस आर एम आई एस टी दिल्ली-एनसीआर परिसर ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात डॉ. एस. विश्वनाथन, निदेशक, एस आर एम आई एस टी दिल्ली-एनसीआर परिसर ने अपने संबोधन में विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की सक्रिय भागीदारी, शिक्षा, नैतिक मूल्यों तथा सामूहिक उत्तरदायित्व के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. सूर्य प्रकाश पाण्डेय, सह-प्राध्यापक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने राष्ट्रीय चेतना, बौद्धिक विकास तथा राष्ट्र निर्माण में युवा पीढ़ी के योगदान से संबंधित अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय, राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली ने मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विरासत के आधार पर राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने तथा देश के भविष्य के निर्माण में युवाओं की जिम्मेदारी पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने भारतीय सभ्यतागत विरासत के संरक्षण के साथ-साथ राष्ट्र के समग्र विकास में युवा पीढ़ी की सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न प्रतिनिधियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम ने विकसित भारत @ 2047 के संकल्प को साकार करने में शिक्षा, ऐतिहासिक चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों तथा युवा नेतृत्व की भूमिका पर सार्थक विचार-विमर्श का अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. बरुण कुमार झा, विभागाध्यक्ष, भाषा, संस्कृति एवं समाज विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात प्रातः 11:45 बजे राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ। इस आयोजन के माध्यम से एस आर एम आई एस टी दिल्ली-एनसीआर परिसर ने अकादमिक उत्कृष्टता, राष्ट्रीय चेतना, युवा सहभागिता एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

खोड़ा में संपत्ति कर के बड़े बकायेदारों पर कसेगा शिकंजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। खोड़ा में लंबे समय से संपत्ति कर जमा नहीं करने वाले भवन स्वामियों पर नगर पालिका परिषद ने सख्ती की तैयारी कर ली है। दिसंबर तक बकाया संपत्ति कर जमा नहीं करने वालों के खिलाफ वसूली प्रमाणपत्र (आरसी) जारी किया जाएगा। खासतौर पर 50 हजार रुपये से अधिक के बकायेदारों को निशाने पर लिया गया है। नगर पालिका की ओर से ऐसे भवन स्वामियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। खोड़ा में कुल 51,652 भवन हैं, जिनमें से करीब 35 हजार भवन स्वामियों ने ही अब तक संपत्ति कर जमा किया है। शेष भवन स्वामियों ने कई वर्षों से टैक्स जमा नहीं किया है। नगर पालिका की ओर से कई बार नोटिस देने के बावजूद बकाया जमा नहीं होने पर अब दो और नोटिस जारी करने की तैयारी है। इसके बाद भी टैक्स जमा नहीं करने वालों के खिलाफ आरसी की कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका के अनुसार, क्षेत्र में 250 ऐसे बड़े बकायेदार हैं, जिन पर 50 हजार रुपये से अधिक का संपत्ति कर बकाया है। इनमें कई भवन स्वामियों ने लंबे समय से टैक्स जमा नहीं किया है। ऐसे लोगों के खिलाफ जनवरी में आरसी जारी करने की कार्रवाई की जाएगी। आरसी जारी होने के बाद बकाया संपत्ति कर के साथ 18 प्रतिशत ब्याज भी वसूला जाएगा। बकायेदारों को राहत देने के लिए नगर पालिका की ओर से एकमुश्त समाधान योजना भी चलाई जा रही है, लेकिन इसके बावजूद कई बड़े बकायेदारों ने अभी तक बकाया जमा नहीं किया है। ऐसे में अब नगर पालिका वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाने जा रही है।

मोदी कॉलेज के लगभग 3000 छात्रों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना का किया वाचन

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में संविधान दिवस का भव्य आयोजन किया गया। संविधान दिवस के निर्माण समिति पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए छात्रों को संविधान की महत्व के विषय में विस्तार से बताया गया तत्पश्चात सभी छात्रों ने और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से संविधान की उद्देशिका का वाचन किया और संविधान के कर्तव्यों की शपथ ली यह संकल्प सभी छात्रों को दिलाया कि हम अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी पालन करेंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान केवल एक कानून की किताब ही नहीं बल्कि देश की आत्मा है ।आज का दिन हमें उन महान विभूतियों के प्रति श्रद्धा कर करने का अवसर प्रदान करता है जिन्होंने भारत के भविष्य की नींव लोकतंत्र समानता न्याय स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर रखी। मंच का संचालन विद्यालय की जीव विज्ञान प्रवक्ता डॉक्टर नीतू, श्री महानंद सिंह ने संयुक्त रूप से किया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री तेजपाल सिंह दिनेश कुमार, डॉक्टर नीतू ,डॉक्टर संजय कुमार महानंद सिंह ने भी संविधान के विषय में छात्रों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर सभी को अपने कर्तव्यों के प्रति शपथ भी दिलाई गई। संविधान के ऊपर एक क्विज का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रश्न उत्तर किया विजेता छात्रों को प्रधानाचार्य और उपस्थित शिक्षकों ने सम्मानित किया। संविधान हमें अधिकार देता है लेकिन साथ ही हमारे कर्तव्य भी निर्धारित करता है हमारे मौलिक कर्तव्य हमें राष्ट्र, समाज पर्यावरण और अन्य नागरिकों के प्रति हमारी जिम्मेदारियां का बोध कराता है।

लायंस क्लब ऑफ मोदीनगर टाउनशिप द्वारा विद्यालय में बेंच डोनेशन प्रोजेक्ट संपन्न



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। लायंस क्लब ऑफ मोदीनगर टाउनशिप द्वारा सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के अंतर्गत आज सरस्वती शिशु मंदिर, गदाना, मोदीनगर में बेंच डोनेशन प्रोजेक्ट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों की सुविधा एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यालय को बेंच भेंट की गईं। कार्यक्रम विद्यालय की प्रात :कालीन प्रार्थना सभा के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस पुनीत सेवा कार्य के लिए क्लब के सदस्यों हिमांशु अग्रवाल गौरव गुप्ता एवं एवं अमित त्यागी ने बेंच प्रायोजित कर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष अमित कौशिक ने कहा कि शिक्षा और विद्यार्थियों की सुविधाओं में योगदान देना समाज के उज्ज्वल भविष्य में निवेश करने के समान है। लायंस क्लब सदैव समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता एवं शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी प्रायोजकों एवं क्लब सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा एवं जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। लायंस क्लब ऑफ मोदीनगर टाउनशिप समाज सेवा के अपने संकल्प के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है।

संविधान दिवस पर विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया

संवैधानिक मूल्यों पर हमला चिंता का विषय-मुनेश त्यागी



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। डॉक्टर अंबेडकर शिक्षा प्रचार एवं प्रचार संस्थान मोदीनगर के सौजन्य से क्षत्रि वाला शिव मंदिर मोदीनगर के सभागार में संविधान दिवस के अवसर पर एक विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य डॉ रीता बख्शी ने की तथा संचालन कवि डॉ रामगोपाल भारतीय ने किया। कार्यक्रम के संरक्षक संस्था के अध्यक्ष देशराज भारती रहे। सभा में आए लोगों के का स्वागत संस्था के महासचिव ओम प्रकाश ने किया। मंच पर आसीन प्रमुख वक्ता एडवोकेट मुनेश त्यागी मेरठ ने कहा कि आज भारतीय संविधान के मूल ढांचे पर हमला हो रहा है जनता के शिक्षा रोजगार और संविधान की मूल भावना धर्मनिरपेक्षता पर चोट की जा रही है ।अतः हमें संविधान में वर्णित अधिकार और कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में मेरठ से पधारे मंगल सिंह मंगल और धर्मपाल मित्रा ने कविताओं से श्रोताओं में जोश भर दिया। मुरादनगर से आए कवि श्री देवराज देव ने भी कविता सुनाई ।डा रामगोपाल भारतीय ने भी एक गजल प्रस्तुत की। सभा को संबोधित करने वालों में राकेश गोयल, प्रदीप कंसल, राम भरोसे लाल मौर्या, सत्येंद्र तोमर , अशोक कुमार अमीन, डॉक्टर रीता बक्शी, देशराज भारती आदि ने संबोधित किया। अंत में महासचिव ओमप्रकाश ने सभी का आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में सीताराम,सुभाष,महकार,जगमोहन आदि का विशेष योगदान रहा।

चार साल में अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा, लूट और गोवध की घटनाओं में बड़ी गिरावट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के चार साल में गाजियाबाद में अपराध नियंत्रण से लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली तक में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, संगठित अपराध पर प्रहार और आपातकालीन पुलिस सेवाओं में सुधार के चलते कई प्रमुख अपराधों में गिरावट दर्ज की गई है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 में लूट की घटनाओं में 84.1 प्रतिशत, गोवध में 83.7 प्रतिशत, चेन झपटमारी में 61.76 प्रतिशत और नकबजनी में 61.6 प्रतिशत की कमी आई है। महिला संबंधी अपराधों में भी 44 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है। गाजियाबाद में 26 नवंबर 2022 को पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू की गई थी। इसके बाद पूरे क्षेत्र को तीन जोन में बांटकर थानों और सर्किल का पुनर्गठन किया गया। बीट पुलिसिंग व्यवस्था को मजबूत करते हुए कमिश्नरेट को 2131 बीटों में विभाजित किया गया। पुलिस के अनुसार, एक दिसंबर 2022 से 15 नवंबर 2026 तक 430 पुलिस मुठभेड़ों में 681 आरोपित गिरफ्तार किए गए। इनमें 496 आरोपित घायल हुए, जबकि 14 बदमाश मारे गए। अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने के लिए भी पुलिस ने व्यापक कार्रवाई की है। गैंगस्टर एक्ट और संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पेशेवर अपराधियों, भू-माफिया और संगठित अपराध से जुड़े लोगों की 334 करोड़ 84 लाख 14 हजार 336 रुपये की संपत्ति कुर्क और जब्त की गई। आदतन अपराधियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए 7907 लोगों पर कार्रवाई की गई, जिनमें 5553 लोगों को अच्छे आचरण के लिए पाबंद किया गया। महिला सुरक्षा के मोर्चे पर भी पुलिस ने सुधार का दावा किया है। वर्ष 2023-24 की तुलना में वर्ष 2025-26 में हत्या के मामलों में 22 प्रतिशत, दहेज मृत्यु में 23 प्रतिशत, दुष्कर्म में 84 प्रतिशत, शीलभंग में 98 प्रतिशत और महिला उत्पीड़न के मामलों में 25 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। साइबर अपराध के मामलों में ठगी की रकम वापस दिलाने की दिशा में भी सुधार हुआ है।

आरकेजीआईटी में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया संविधान दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरकेजीआईटी), सीसीएस यूनिवर्सिटी परिसर में संविधान दिवस उत्साह, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. निशि पाठक ने किया। उन्होंने संविधान दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान में निहित आदर्शों को समझने और अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर आरकेजी ग्रुप के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता एवं न्याय का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. डी.के. चौहान ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संविधान की प्रस्तावना के अनुरूप शपथ दिलाई। उन्होंने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता बनाए रखने तथा संवैधानिक आदर्शों और मूल कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता का मार्गदर्शक है।

संस्थान के सलाहकार डॉ. लक्ष्मण प्रसाद ने अपने संबोधन में संविधान की प्रमुख विशेषताओं, प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों एवं राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक का अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। बीसीए प्रथम वर्ष की छात्राएं शादिया एवं हरप्रीत तथा बीबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा रितिका ने संविधान की महत्ता, समानता, स्वतंत्रता एवं युवाओं की राष्ट्रीय जिम्मेदारियों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने युवाओं से संवैधानिक मूल्यों का पालन करने तथा समाज में जागरूकता एवं सद्भाव बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. शिवानी त्यागी, विभागाध्यक्ष (HOD), डीन एक्रेडिटेशन डॉ. रामेन्द्र सिंह सहित संस्थान के सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के संवैधानिक आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं प्रगति में सक्रिय योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

संविधान के प्रति जागरूक हुए दो लाख से अधिक विद्यार्थी, 655 विद्यालयों में गूंजा प्रस्तावना का पाठ





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिले के सभी 655 विद्यालयों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें 2,01,350 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान विजय नगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद सिंह रावत, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जसवीर सिंह यादव और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नेहा बनौधिया उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की महत्ता, प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों की जानकारी दी गई। साथ ही लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। जिले के सभी विद्यालयों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया गया और विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान के प्रति जागरूक किया गया।

एक-एक वोट से मजबूत होगा लोकतंत्र, युवाओं को रितु रिणवा ने दिलाया मतदान का महत्व

18 वर्ष की आयु पूरी करते ही कराएं मतदाता पंजीकरण, ईसीआई नेट ऐप से घर बैठे भर सकते हैं फार्म-6







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के तहत गुरुवार को आईटीएस कॉलेज, मोहन नगर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती रितु रिणवा ने युवाओं, महिलाओं और प्रथम बार मतदाता बनने वाले नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण है। मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी होते ही युवाओं को मतदान का संवैधानिक अधिकार मिलता है। इसलिए उन्हें सबसे पहले अपना मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित कराना चाहिए और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने ईसीआई नेट ऐप डाउनलोड करने की अपील करते हुए बताया कि इसके माध्यम से मात्र 5 से 10 मिनट में फार्म-6 भरकर पंजीकरण के लिए आवेदन किया जा सकता है।

रितु रिणवा ने महिला मतदाताओं के पंजीकरण में अंतर कम करने पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत बनाएगी। श्रीमती कविता मीना ने भी महिलाओं और युवाओं से मतदान प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने जनपदवासियों से ईसीआई नेट ऐप के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम जांचने तथा नाम नहीं होने पर फार्म-6 भरने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आईटीएस चेयरमैन अर्पित चड्ढा सहित अधिकारी, शिक्षाविद, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और युवा मौजूद रहे। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान का संदेश दिया।

शाहपुर बम्हैटा में 16 वर्षीय किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी क्षेत्र के शाहपुर बम्हैटा में 16 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। बुधवार दोपहर मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस को किशोरी का शव मकान के अंदर बेड पर रखा मिला। पुलिस के अनुसार, परिजनों ने किशोरी द्वारा दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या करने की बात बताई है। हालांकि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। एसीपी वेव सिटी अतुल कुमार ने बताया कि 25 नवंबर को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे डायल-112 पर मकान मालिक दीपक यादव ने घटना की सूचना दी थी। पुलिस टीम किसान आदर्श पब्लिक स्कूल के पास स्थित मकान में पहुंची तो किशोरी का शव बेड पर मिला। मृतका की पहचान पायल कश्यप (16) पुत्री सुनील कश्यप के रूप में हुई है। वह मूलरूप से मेरठ के कठौर थाना क्षेत्र के गांव माछरा की रहने वाली थी और वर्तमान में शाहपुर बम्हैटा में रह रही थी। परिजनों के अनुसार, किशोरी ने दरवाजे की चौखट के ऊपरी हिस्से में दुपट्टे से फंदा लगाया था। इसके बाद मकान मालिक दीपक यादव की पत्नी मंजू यादव और किशोरी के भाई मोनू कश्यप ने उसे नीचे उतारा। पुलिस ने शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार, किशोरी स्कूल नहीं जाती थी। उसके माता-पिता और भाई दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। वह दो बड़े भाइयों और दो बहनों में तीसरे नंबर पर थी।

पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था: धर्मपाल सिंह

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर पशुपालकों और गोसेवा करने वाले कर्मयोगियों का सम्मान, डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने पर दिया जोर








वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर गुरुवार को विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रगतिशील पशुपालकों, डेयरी संचालकों और गोसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मयोगियों को कंबल, रजाई और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि देश की पांच ट्रिलियन डॉलर और उत्तर प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन की अहम भूमिका है। पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने गोवंश संरक्षण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और निराश्रित गोवंश की बेहतर देखभाल के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी पांडेय ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए पशुपालकों से इनका लाभ उठाने की अपील की। डेयरी विभाग के अधिकारियों ने भी दुग्ध उत्पादन और डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियां साझा कीं। इस दौरान गोशालाओं के संचालकों ने अपने अनुभव बताए।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक कृष्णवीर सिंह सिरोही, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, डॉ. मानव, डॉ. निखिल वार्ष्णेय, सुधीर राठी, अविनाश सत्यार्थी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में पशुपालक मौजूद रहे।

गुरु रविदास जयंती की समरसता संकल्प यात्रा के स्वागत की तैयारी, भाजपा ने बनाई रणनीति

संविधान गौरव दिवस पर बाबा साहब को किया नमन, 27 नवंबर को मोदीनगर में जुटेंगे भाजपा कार्यकर्ता






वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाली समरसता संकल्प यात्रा के स्वागत एवं सफल आयोजन को लेकर गुरुवार को लोनी के खन्ना नगर स्थित सीसीआर फार्महाउस और मोदीनगर विधायक कार्यालय पर भाजपा की योजना बैठक आयोजित की गई। इस दौरान संविधान गौरव दिवस भी मनाया गया।

जिलाध्यक्ष चौधरी चैनपाल ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर संविधान के महत्व और मूल्यों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान अंगीकृत किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2015 से संविधान दिवस को व्यापक रूप से मनाया जा रहा है।

बैठक में 27 नवंबर को मोदीनगर के नार्थ रैपिड स्टेशन पर पहुंचने वाली समरसता संकल्प यात्रा के भव्य स्वागत की रूपरेखा तैयार की गई। जिलाध्यक्ष ने लोनी क्षेत्र के सभी जिला एवं मंडल पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चों, प्रकोष्ठों और कार्यकताओं से दोपहर 12 बजे मोदीनगर पहुंचने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच, चेयरमैन विनोद वैशाली, जिला महामंत्री रामकुमार त्यागी, पवन सोम, देवेंद्र चौधरी, अमित चौधरी, आकाश गौतम, प्रदीप गोस्वामी, कृष्ण बंसल, ब्रह्ममेश तिवारी, राहुल श्याम सुंदर, संतोष मिश्रा, मनीष चौहान, सचिन सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हर्ष फायरिंग और हथियारों के प्रदर्शन का वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना मधुबन बापूधाम पुलिस ने कुआं पूजन कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग और हथियारों का प्रदर्शन कर वीडियो वायरल करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 32 बोर की एक देशी पिस्टल और एक एयरगन बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 16 नवंबर 2026 को ग्राम दुहाई में कुआं पूजन कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग और शस्त्र प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। मामले में थाना मधुबन बापूधाम पर धारा 125 बीएनएस और 27/30 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई थीं। इसी क्रम में पुलिस ने चेकिंग और गश्त के दौरान मन्नधाम के पास रेलवे फाटक के बराबर फ्लाईओवर की ओर जाने वाले रास्ते से मुकेश कुमार (38) पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी हंस विहार, बुलंदशहर को गिरफ्तार कर लिया। बरामद पिस्टल के आधार पर मुकदमे में धारा 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का होगा भव्य सौंदर्यीकरण, विधायक संजीव शर्मा ने किया शुभारंभ

10 लाख रुपये की धनराशि से होगा रखरखाव, महापुरुषों की विरासत को संजोने की प्रदेश सरकार की पहल







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार की महापुरुषों की प्रतिमाओं के सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण की पहल के तहत बुधवार को चौपला बाजार स्थित महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ शहर विधायक संजीव शर्मा ने विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया। इस कार्य पर 10 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। विधायक संजीव शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश सरकार प्रत्येक महापुरुष की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण एवं रखरखाव के लिए 10 लाख रुपये की धनराशि आवंटित कर रही है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाएं हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं। महाराजा अग्रसेन ने समाज को समानता, सेवा, सहयोग और भाईचारे का संदेश दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम में श्री अग्रसेन बाजार व्यापार मंडल के प्रधान हरविंदर गांधी, वेद प्रकाश, रोहित, दिनेश सिसोदिया, राजकुमार गर्ग, विजय, वेद शर्मा, सर्वेश शर्मा, रामलाल पंडित, सतीश वर्मा, दिनेश गर्ग, ईश्वर पंडित, शहर मंडल अध्यक्ष महिमा गुप्ता, पार्षद राजीव शर्मा, पूर्व पार्षद राजेश शर्मा गौरव सहित अनेक व्यापारी, पार्षद और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने इस पहल का स्वागत किया।

लोनी में अवैध पटाखों का जखीरा बरामद, 50 किलो बारूद और 3400 अर्द्धनिर्मित पाइरो कैंडल के साथ आरोपी गिरफ्तार

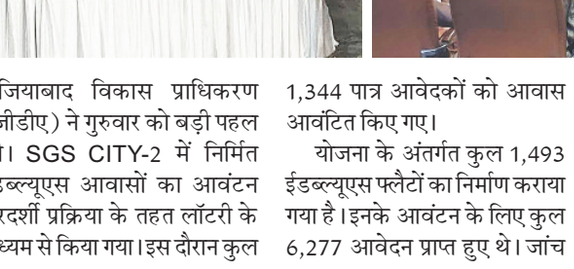


वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोनी थाना पुलिस ने अवैध आतिशबाजी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 50 किलोग्राम बारूद, 3400 अर्द्धनिर्मित पाइरो कैंडल और 96 पाइरोफायर गन बरामद की हैं। बरामद बारूद का इस्तेमाल पाइरो कैंडल भरने में किया जाना था।

पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर थाना लोनी पुलिस टीम ने क्षेत्र में छापेमारी कर फाजिल (27) पुत्र रोजुद्दीन निवासी ग्राम चिरौड़ी, लोनी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध आतिशबाजी और पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 9बी(1)(बी) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने की मंडलीय समीक्षा, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ देने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने गुरुवार को गाजियाबाद स्थित गंगाजल जल निगम गेस्ट हाउस में मेरठ मंडल की विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत और गौतमबुद्धनगर के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में मंत्री ने दिव्यांग पेंशन, शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार, कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, ई-ट्राइसाइकिल, यूडीआईडी कार्ड और कॉक्लियर इम्प्लांट सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं और कोई भी पात्र लाभार्थी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की शादी अनुदान, छात्रवृत्ति और ट्रिपल सी प्रशिक्षण योजना की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निस्तारण करने और योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांगता दिवस पर सभी जनपदों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इस दौरान दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरित करने के साथ उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। बैठक में दोनों विभागों के मंडलीय एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

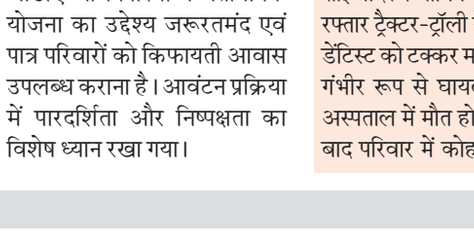
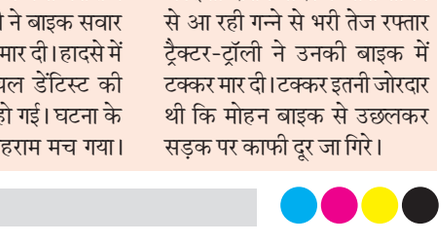
नवयुग मार्केट चौराहे पर बिना सुरक्षा इंतजाम खोला यूटर्न, पलटी पिकअप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सड़क पर यातायात व्यवस्था सुधारने और जाम से राहत दिलाने के लिए बनाए गए यूटर्न ही अब वाहन चालकों के लिए खतरा बनते नजर आ रहे हैं। नवयुग मार्केट चौराहे पर बनाए गए नए यूटर्न को बिना सुरक्षा इंतजाम पूरे किए वाहनों के लिए खोल दिया गया। इसका खामियाजा मंगलवार रात एक पिकअप चालक को भुगतना पड़ा। अचानक सामने आए यूटर्न को देखकर चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और तेज रफ्तार पिकअप सड़क पर पलट गई। हादसे में चालक घायल हो गया। हापुड़ रोड स्थित नवयुग मार्केट चौराहे पर पहले लालबत्ती की व्यवस्था थी। यहां लगने वाले जाम को कम करने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से यूटर्न का निर्माण कराया गया। मंगलवार को निर्माण पूरा होने के बाद इसे वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया गया, लेकिन मौके पर सुरक्षा के जरूरी इंतजाम नहीं किए गए। न तो रिफ्लेक्टर टेप लगाई गई और न ही वाहन चालकों को पहले से सतर्क करने के लिए चेतावनी और दिशा-सूचक बोर्ड लगाए गए। मंगलवार रात हापुड़ रोड से गुजर रही एक पिकअप वैन के चालक को अचानक यूटर्न दिखाई दिया। चालक ने घबराकर ब्रेक लगाए और वाहन मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार के कारण पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। सूचना पर पहुंची सिहानी गेट थाना पुलिस ने वाहन में फंसे चालक को बाहर निकाला। चालक ने पुलिस को बताया कि उसे यूटर्न दिखाई नहीं दिया था। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त पिकअप को सड़क से हटाकर यूटर्न के पास खड़ा कराया गया।

संविधान दिवस पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण की शपथ

पुलिस मुख्यालय में मनाया गया संविधान दिवस, पुलिस आयुक्त समेत अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली शपथ

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को पुलिस मुख्यालय, कमिश्नरेट गाजियाबाद में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त की उपस्थिति में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना के प्रति निष्ठा रखने तथा संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण और पालन की शपथ दिलाई गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात, अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल, सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय सहित मुख्यालय में उपस्थित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने संविधान में निहित आदर्शों, मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही संविधान की गरिमा बनाए रखने, उसके प्रावधानों का सम्मान करने और अपने दायित्वों का निर्वहन संवैधानिक मयार्दाओं के अनुरूप करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान के प्रति सम्मान और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया।

लॉटरी से 1,344 परिवारों को मिला अपना आशियाना, पीएम आवास योजना के तहत हुआ आवंटन





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को आवास उपलब्ध कराने की दिशा में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने गुरुवार को बड़ी पहल की। SGS CITY-2 में निर्मित ईडब्ल्यूएस आवासों का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लॉटरी के माध्यम से किया गया। इस दौरान कुल 1,344 पात्र आवेदकों को आवास आवंटित किए गए।

योजना के अंतर्गत कुल 1,493 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का निर्माण कराया गया है। इनके आवंटन के लिए कुल 6,277 आवेदन प्राप्त हुए थे। जांच के बाद 1,807 आवेदन पात्र पाए गए। हालांकि, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए निर्धारित श्रेणी के 149 आवासों के सापेक्ष पर्याप्त पात्र आवेदक नहीं मिलने के कारण उनका आवंटन नहीं हो सका।

लॉटरी प्रक्रिया अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह, ओएसडी कनिका कौशिक, डूडा के अधिकारियों तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की उपस्थिति में संपन्न हुई। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि योजना का उद्देश्य जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को किफायती आवास उपलब्ध कराना है। आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता का विशेष ध्यान रखा गया।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से डेंटिस्ट की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मोदीनगर क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण सड़क हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। रावली रोड से सलेमाबाद झाल मार्ग के बीच साईं मंदिर के सामने गन्ने से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार डेंटिस्ट को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल डेंटिस्ट की अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मोदीनगर की विजयनगर कॉलोनी निवासी मोहन राणा (35) पुत्र लखमीचंद की मुरादनगर रावली रोड पर मुख्य बाजार के पास डेंटिस्ट की दुकान थी। बृहस्पतिवार दोपहर करीब सवा 12 बजे वह बाइक से साईं मंदिर पर प्रसाद चढ़ाने जा रहे थे। इसी दौरान मंदिर के पास सामने से आ रही गन्ने से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोहन बाइक से उछलकर सड़क पर काफी दूर जा गिरे।